# vke|[k

बच्चे हमारी परंपरा के वाहक हैं और भविष्य की आशा भी। उत्सुकता से चमकती आँखों और अपरिमित ऊर्जा वाले बच्चे सीखने की ललक लेकर विद्यालय आते हैं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था– मुझमें  कोई विशेष प्रतिभा नहीं है, लेकिन मुझमें सिर्फ़ जानने की प्रबल उत्सुकता है।

ये पंक्ति पठन–पाठन पद्धति के इस महत्त्वपूर्ण पक्ष को दर्शाती है कि बच्चों को सीखने के पूरे अवसर मिलें ताकि उनमें उत्सुकता बनी रहे। इसलिए हमें स्कूल और कक्षा का वातावरण, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण सामग्री, गुणवत्तापूर्ण सिखाने और सीखने के लिए समय, शिक्षक की भूमिका आदि पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

गुणवत्तापरक परिवर्तन को लक्ष्य बनाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए विभाग द्वारा विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इनके अंतर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 व शिक्षा का अधिकार 2009 तथा अध्यापक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2009 के मद्देनजर कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी हो। बच्चों के स्कूली जीवन को उनके परिवेश से जोड़ा जाए, जिससे स्कूल और घर के बीच की दूरी कम हो सके। इन पाठ्यपुस्तकों से बच्चों को छान–बीन करने, स्वयं करके देखने–समझने, समस्या का स्वयं समाधान ढूँढ़ने जैसे कौशलों के विकास के अनेक अवसर मिल सकें, जिससे बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित न रहें अपितु परिवेश में उपलब्ध साधनों की ओर भी उन्मुख हों।

सीखने की प्रक्रिया में बच्चों का अपना सामाजिक संदर्भ महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्हें सामाजिक विविधता के साथ–साथ धर्म, जाति, लिंग के प्रति समानता, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों एवं बड़े बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, आदर–भाव तथा हरियाणा की संस्कृति की छटा को समझने के समुचित अवसर मिल सके, नवनिर्मित पाठ्यपुस्तकों में इनका गंभीरता से प्रयास किया गया है।

इन पुस्तकों में बच्चों के आस–पास की सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को आधार बनाकर प्रत्येक स्तरानुसार विषय–सामग्री और गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। इससे सभी बच्चे रोचक ढंग से स्तरानुसार व अपनी गति के अनुसार दक्षताओं और कौशलों का विकास कर पाएँगे। शिक्षक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा बच्चों का आकलन कर उनके स्तरानुसार दक्षताओं और कौशलों को विकसित करने में सहायक होंगे।

यह उल्लेख भी प्रासंगिक होगा कि इन पुस्तकों को आप के बीच से आए विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाओं के सहयोग से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुड़गाँव द्वारा तैयार किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अध्यापकगण इनके अंतर्निहित भावों को जानकर शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने कौशल से, सीखने के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे।

केशनी आनन्द

vfrfjDr e|[; lfpo]
fo|ky; f'k{kk] gfj;k.kk] p.Mhx<

# ikB;iqLrd fuekZ.k lfefr

| | | |
|---|---|---|
| lj{kd eMy | – | केशनी आनन्द अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा।<br>रोहतास सिंह खरब, निदेशक, मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा।<br>आलोक वर्मा, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् |
| ekxn'ku | – | स्नेहलता, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव। |
| leUo; lfefr | – | सुशील बत्रा, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।<br>रवींद्र सिंह फौगाट, अध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा, गुड़गाँव। |
| iujoykdu lfefr | – | डी.सी. ग्रोवर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।<br>डॉ. योगेश वासिष्ठ, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव। |
| leh{kk lfefr | – | डॉ. संध्या सिंह, प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।<br>डॉ. रामकरण डबास, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली।<br>कान्ता कश्यप, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।<br>अक्षय दीक्षित, शिक्षक, नगर निगम दिल्ली |
| lnL; | – | तनु भारद्वाज, विषय विशेषज्ञ,एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव<br>अलका रानी संस्कृत, प्राध्यापिका, डाइट गुड़गाँव, गुड़गाँव<br>ब्रजेश शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, डाइट जनौली, पलवल<br>महेन्द्र सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, बौंद कलाँ, भिवानी<br>राजेश कुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, अग्रोहा, हिसार<br>सोमप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, कैथल, कैथल<br>वेदप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, बवानी खेड़ा, भिवानी<br>कुलदीप सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, हाँसी–2, हिसार<br>पूर्वा सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, फरीदाबाद, फरीदाबाद<br>राजकुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, रानियाँ, सिरसा<br>बलविन्द्र सिन्हा, खंड संसाधन व्यक्ति, शहजादपुर, अंबाला |
| lnL; ,o leUo;d | – | राजेश यादव, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव। |

# vkHkkj

मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा अपने प्रांत की राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की संपूर्ण पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के प्रति आभार व्यक्त करता है। इन पुस्तकों के लेखन में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली ने जिन विशेषज्ञों को इस कार्य हेतु नियुक्त किया, उसके प्रति हम उनके आभारी हैं। यह विभाग इस पुस्तक के पुनरवलोकन, समीक्षा व महत्त्वपूर्ण सुझावों के लिए प्रो. के.के. वशिष्ठ पूर्व अध्यक्ष, प्रा.शि.वि., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, प्रो. रामसजन पांडे, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक व डॉ. शारदा कुमारी, भाषा विशेषज्ञ, डाइट, दिल्ली के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है। जिन रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान की व साथ ही एकलव्य भोपाल के भी हम प्रकाशन स्वीकृति प्रदान करने के लिए आभारी हैं।

हमारे प्रयासों के बावजूद यदि किसी रचनाकार अथवा संस्था का नाम छूट गया हो तो विभाग उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता है। भविष्य में नाम की जानकारी होने पर आगामी संस्करणों में संशोधन कर लिया जाएगा। अज्ञात एवं अनजान कवियों व लेखकों की रचनाएँ सुविधावंचित बच्चों के लिए हैं। इनका निशुल्क वितरण किया जाना है। ये पुस्तकें किसी व्यक्तिगत लाभ को मद्देनजर रखकर नहीं बनाई गई।

पुस्तकों के टंकण कार्य हेतु बबली एवं देवानंद तथा चित्रांकन व साज–सज्जा के लिए फजरूद्दीन एवं कमल किशोर का भी यह विभाग आभार व्यक्त करता है।

पाठ्यपुस्तक के विकास में जिन विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी बातचीत हेतु सहयोगी रहे तथा जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से इस पाठ्य पुस्तक को मूर्त रूप देने में सहयोग दिया, विभाग उन सभी सर्जकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

jkgrkl flag [kjc
funs'kd] ekfyd f'k{kk]
gfj;k.kk] ipdyk

# f’k{kdk ,o vfHkHkkodk d fy,

मानव हृदय की मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भाषा ही है। हृदय के उद्‌गारों को भाषा के माध्यम से ही सहजता और सरलता से प्रकट किया जा सकता है। बच्चे पढ़ने के क्रम में अपने स्तर के अनुसार सभी भाषायी कौशलों का प्रयोग करना सीख जाते हैं। प्रारंभिक सोपान में बच्चे चित्रकथाओं, बालगीतों, कहानियों व कविताओं का रसास्वादन लेने से परिचित हो चुके हैं पर कई स्तरों पर भाषा का विकास अभी भी हो रहा है। पढ़ते व लिखते समय वे इस ज्ञान की तुलना बार–बार उन बातों से करते हैं, जो वे पहले से जानते हैं। पठन सामग्री बच्चों को रुचिकर तभी लगती है, जब पूर्व ज्ञान से उस सामग्री का संबंध जुड़ता है।

यहाँ बच्चों की स्वाभाविक रुचियों और जिज्ञासाओं का ध्यान रखते हुए उनमें बात कहने, सुनने, पढ़ने व लिखने के कौशल तथा तर्क देने जैसी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में शिक्षण के मूलभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बच्चों को मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं।

पुस्तक में बाल साहित्य भरपूर मात्रा में दिया गया है ताकि बच्चों का पढ़ने–लिखने के प्रति रुझान बढ़ सके। श्रवण और पठन कौशल के विकास में कविता का बहुत योगदान रहता है। इस दृष्टि से परिवेश से जुड़े बालगीत एवं कविताएँ पाठ्यपुस्तक में डाली गई हैं। शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे बालगीत एवं कविताओं का कक्षा में हाव–भाव सहित वाचन करें तथा बच्चों को साथ मिलकर कविता प्रस्तुत करने के लिए कहें। बच्चों की रुचि एवं परिवेश के अनुसार पुस्तक में बहुरंगी चित्रों का समावेश किया गया है। ये चित्र बच्चों को न केवल विषयवस्तु समझने में मदद करते हैं वरन् उनको अपने परिवेश से भी जोड़ते हैं। कहानियाँ बच्चों की कल्पना को नई उड़ान देती हैं व उनकी जिज्ञासा तथा कल्पना को बढ़ाती हैं। इसीलिए पाठ्‌यपुस्तक में रोचक व शिक्षाप्रद बाल कहानियों का समावेश किया गया है। कहानियों के पात्र अलग–अलग शैली में बच्चों पर स्नेहिल प्रभाव छोड़ते नजर आते हैं।

बहुभाषिकता का भाषा विकास के एक संसाधन के रूप में प्रयोग किया गया है। पुस्तक में ऐसे अनेक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं, जहाँ स्थानीय भाषा को हिंदी में तथा हिंदी के शब्दों को स्थानीय भाषा में समझाने का प्रयास किया गया है। इससे विषय की बालकों से निकटता बनी रहती है।

भाषायी विविधता भाषा विकास की कड़ी है और सभी भाषाएँ एक दूसरे के सान्निध्य में ही फलती–फूलती हैं। इसलिए कक्षा में प्रवेश करने पर बच्चे को आंचलिक शब्दों का प्रयोग करते हुए स्थानीय भाषा में अपनी बात कहने का अवसर प्रदान करें और आप प्रत्येक बच्चे की बात का सम्मान करते हुए उसे प्राथमिकता दें। इस पुस्तक में अभ्यास के अंतर्गत 'पाठ से/कविता से' पाठ आधारित प्रश्न हैं, जो बच्चों में विषय का बोध एवं लिखित अभिव्यक्ति को विकसित करने के लिए दिए गए हैं। 'आपकी बात' शीर्षक में दिए गए प्रश्न बच्चों को अपने परिवेश से जुड़ने एवं अपने अनुभवों को अपनी भाषा में कहने के लिए प्रेरित करते हैं। 'भाषा की बात' शीर्षक के अंतर्गत बच्चों को सहज एवं क्रियात्मक रूप से व्याकरण का बोध कराने का प्रयास है। वर्ग पहेली, साँप–सीढ़ी, मिलान करो एवं अन्य

खेल गतिविधियों के द्वारा इस विषय को रुचिकर बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें उन्हें स्वयं करके सीखने का अवसर प्रदान किया गया है। 'यह भी करें' शीर्षक के अंतर्गत विषय के प्रति रुचि जाग्रत करने के साथ–साथ उन्हें अपने परिवेश से जोड़ने का उपक्रम है, यह उनके सर्जनात्मक कौशल को भी विकसित करने का प्रयास है।

पुस्तक में 'कुछ और पढ़ें' शीर्षक के अंतर्गत, पहेलियाँ, कविताएँ व कहानियाँ दी गई हैं, जो केवल पठन कौशल का विकास करने के उद्देश्य से दिए गए हैं, परीक्षा की दृष्टि से उन पाठों के आधार पर बच्चों का आकलन नहीं किया जाना। यह स्वाध्याय की आदत का विकास करने का प्रयास है। यद्यपि पुस्तक में लिखने के अभ्यास हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है किंतु अतिरिक्त लेखन अभ्यास के लिए अलग से अभ्यासपुस्तिका का प्रयोग किया जा सकता है। अभिभावकों से भी अपेक्षा है कि वे घर पर भी उन्हें ऐसे अवसर उपलब्ध कराएँ। यह जानने के लिए कि बच्चों ने शिक्षण उपरांत कितना सीखा, पुस्तक में कुछ पाठों के बाद पठित पाठों के आधार पर आकलन हेतु सामग्री दी गई है।

पुस्तक में बच्चों को अपने अनुभवों और कल्पनाओं को विस्तार देने के भी अनेक अवसर प्रदान किए गए हैं। शिक्षकों से अपेक्षा है कि वे आई.सी.टी. का प्रयोग करते हुए बच्चों का ज्ञानवर्धन करें व बाल मनोविज्ञान को समझते हुए बच्चों के चारों ओर ऐसा वातावरण निर्मित करें, जिसमें प्रकाश ही प्रकाश हो और नन्हे बालक कल्पना के हिंडोले में बैठकर अपनी जिज्ञासा को शांत करते हुए ज्ञान प्राप्त करें। मैं आशा करती हूँ कि प्रस्तुत पुस्तक f>yfey से आलोकित होकर बच्चे अपनी प्रतिभा से सारी दुनिया को प्रकाशित करेंगे।

fun'kd
, l-l h-b-vkj-Vh- gfj;k.kk]
xMxko

## प्रस्तुत संस्करण

आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के साथ–साथ अध्यापकों को भी कई बार, विषय की बारीकियों और नए उदाहरणों के साथ केवल पाठ्य–पुस्तकों से समझाना कुछ अधूरा सा लगता है। ऐसी आवश्यकता महसूस होती है कि पुस्तक के विभिन्न पाठों में आवश्यकता पड़ने पर यदि डिजिटल कंटेंट तुरंत उपलब्ध हो जाय तो अध्ययन–अध्यापन की नीरसता समाप्त हो सकती है और कक्षा में रुचिकर वातावरण तैयार किया जा सकता है। कक्षा में छात्रों के अलग–अलग स्तर के अनुसार यदि गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हो तो, न केवल अध्ययन–अध्यापन और अधिक सशक्त होगा बल्कि कठिन बिन्दुओं को भी बेहतर ढंग से समझने–समझाने में सहायता मिलेगी। उर्जस्वित पुस्तकें (Energized Text Books) इस समस्या को हल करने की दिशा में एक पहल है। ऐसी पुस्तकों की संकल्पना, MHRD भारत सरकार के अध्यापकों को सक्षम करने के उद्देश्य से बनाये गए दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल के लिए की गयी है।

दीक्षा के अंतर्गत ऐसी पाठ्य पुस्तकों की कल्पना की गयी है, जिनमें पाठ्यक्रम को और सशक्त करने की क्षमता हो। परंपरागत रूप से उपलब्ध पुस्तकों में QR कोड की सहायता से और अधिक सूचनाएं तथा अतिरिक्त प्रभावी सामग्री जोड़कर उन्हें और अधिक सक्रिय तथा उर्जावान बनाया जा सकता हैं। अध्यापकों की आवश्यकता के अनुसार उनके द्वारा चिन्हित पाठ के कठिन भागों में QR कोड को प्रिंट कर दिया गया है, इन QR कोडस से विडियो, अभ्यास कार्यपत्रक और मूल्यांकन शीट को लिंक कर दिया गया है।

विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरूग्राम को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालयय (MHRD) के दीक्षा पोर्टल हेतु राज्य की नोडल एजेंसी बनाया गया है। इस सम्बन्ध में 12 जुलाई 2018 को शैक्षिक तकनीक (Educational-Technology) के राज्य संसाधन समूह (SRG) की एक संगोष्ठी आयोजित की गयी, जिसमें MHRD द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त टीम की सहायता से शैक्षिक सत्र 2018–19 हेतु राज्य के लिए एक दीक्षा कैलेंडर तैयार किया गया है इस सम्पूर्ण कार्य को मुख्यतः दो चरणों में विभक्त किया गया है–

प्रथम चरण : QR कोड युक्त पुस्तकें तैयार करना।

द्वितीय चरण : QR कोड से लिंक ई–कंटेंट तैयार करना।

विद्यालय अध्यापकों, डाइट एवं SCERT के विषय–विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा कक्षा 1-5 तक की हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं EVS विषय पर तैयार राज्य की पाठ्य–पुस्तकों का बारीकी से पुनरावलोकन प्रारंभ हुआ और कार्यशालाओं में इस कार्य के प्रथम चरण को पूरा किया गया। राज्य भर से चुने हुए इच्छुक कर्मठ अध्यापकों के सहयोग से चरण–2 के अंतर्गत ई–कंटेंट को निर्मित व संकलित करने का कार्य जारी है। इस कार्य के प्रथम चरण को पूर्ण करने के लिए परिषद श्रीमती पूनम भारद्वाज, अनुभागाध्यक्ष, शैक्षिक तकनीक विभाग तथा श्री मनोज कौशिक, समन्वयक (QR Code Project) का आभार व्यक्त करती है। परिषद इस कार्य को पूर्ण करने के लिए श्री नंद किशोर वर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, रूबी सेठी, अध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राजेश कुमारी, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, दीप्ता शर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राम मेहर, वरिष्ठ विशेषज्ञ, डाइट, माछरौली, झज्जर, धुपेंद्र सिंह, डाइट, विषय विशेषज्ञ, मात्रश्याम, हिसार, नरेश कुमार, विषय विशेषज्ञ, डाइट, डींग, सिरसा, डॉ एम.आर. यादव, प्राध्यापक, रा.व.मा.वि. निजामपुर, नारनौल, महेंद्रगढ़, काद्यान यशवीर सिंह, अध्यापक, रा0व0मा0वि0, वजीराबाद, गुरूग्राम, डॉ पूजा नंन्दल, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. झज्जर, विरेंद्र, बी.आर.पी. बी.आर.सी. सालहावास, झज्जर, किरण परूथी, अध्यापिका, रा.व.मा.वि. खेडकी दौला, गुरूग्राम, बिन्दु दक्ष, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. जैकबपूरा, गुरूग्राम का भी हद्य से आभार व्यक्त करती है।

निदेशक

एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम

## दीक्षा एप कैसे डाउन लोड करें ?

विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउजर पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2: अपने एंड्राइड मोबाइल के Google Play store पर DIKSHA NCTE खोजें और "डाउनलोड" बटन को दबाएँ।

## मोबाइल पर **QR** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

1 DIKSHA App लॉन्च करें और "गेस्ट के रूप में ब्राउज करें" पर क्लिक करें।

2 विद्यार्थी के रूप में जारी रखने के लिए विद्यार्थी पर क्लिक करें।

3 पाठ्य पुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA App में दिए गए QR कोड Icon Tap करें

4 डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड पर के ऊपर केंद्रित करें।

5 सफल स्कैन पर QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है।

## डेस्कटॉप पर **DIAL** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

पाठ्य पुस्तक में QR कोड के नीचे 6 अंकों का एक कोड रहता है

1 जिसे DIAL कोड कहते हैं।

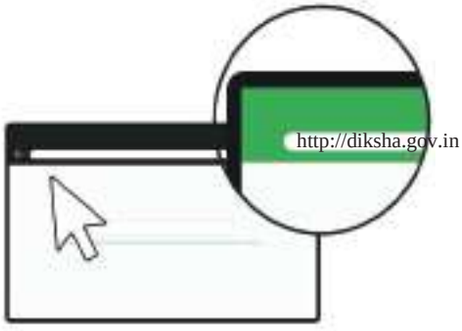


2 ब्राउजर पर **diksha.gov.in/hr/get** टाइप करें।

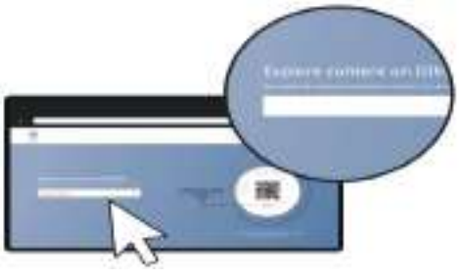

3 सर्च बार में DIAL कोड टाइप करें।

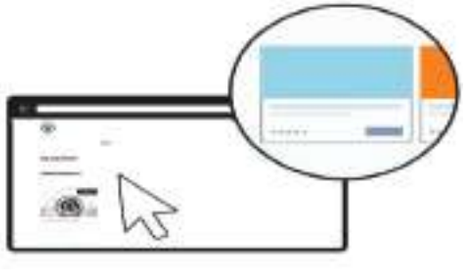

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखिए और किसी भी पाठ्य सामग्री पर क्लिक करे और देखे।

# fo”k;&lwph

95ZZSG


| Øekad | ikB dk uke | foèkk | i”B la0 |
|---|---|---|---|
| 1. | जादूगर यह कौन | (कविता) | 1 |
| 2. | टपका | (लोककथा) | 5 |
| 3. | छोटी बातें, बड़े काम की | (लेख) | 13 |
| 4. | बारह मास | (कविता) | 20 |
| 5. | गुब्बारे पर चीता | (कहानी) | 26 |
| 6. | पानी तेरी अजब कहानी | (कविता) | 33 |
| | • पहेलियाँ | (कुछ और पढ़ें) | 38 |
| 7. | पोंगल | (लेख) | 39 |
| 8. | गौरवगाथा | (कविता) | 48 |
| | • झंडा गायन | (कुछ और पढ़ें) | 52 |
| 9. | सुनो सबकी, करो मन की | (कहानी) | 53 |
| 10. | मोबाइल का बोलबाला | (एकांकी) | 61 |
| | • गुरु नानक | (कुछ और पढ़ें) | 68 |
| 11. | रहीम के दोहे (दोहा सप्तक) | (कविता) | 70 |
| 12. | तोको का देश | (निबंध) | 76 |
| 13. | बाँसुरी वाला | (कविता) | 81 |
| 14. | जादू का दीपक | (कहानी) | 86 |
| 15. | माँ को पत्र | (कविता) | 93 |

ikB 1

# जादूगर यह कौन?

969VU4

काली खुली जटाओं वाला
जादूगर यह कौन ?
कहाँ–कहाँ से नभ में आता
तरह–तरह के खेल दिखाता
पवन–पंख पर उड़ने वाला
जादूगर यह कौन ?
ऐसे छू–मंतर पढ़ देता
सूरज को ओझल कर देता
दिन को रात बनाने वाला
जादूगर यह कौन ?
धरती तक ऐसे झुक जाता
जैसे हाथी सूँड नवाता
सबका चित्त लुभाने वाला
जादूगर यह कौन ?
जब–जब इसके दिल में आता
झोले से बूँदें टपकाता
धरती को सरसाने वाला
जादूगर यह कौन ?

*–राजनारायण चौधरी*

# अभ्यास

96IRVR

## 1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku &

- ओझल — छिपा हुआ
- चित्त — मन
- जादूगर — जादू का खेल दिखाने वाला
- नभ — आकाश
- नवाता — झुकाता
- पवन–पंख — हवा रूपी पंख
- सरसाने वाला — मन को खुश करने वाला

## 2- dfork l &

(क) कविता में जादूगर किसे कहा गया है ?

_______________________________________________

(ख) जादूगर कैसा दिखाई देता है ?

_______________________________________________

(ग) जादूगर कौन–कौन से करतब दिखाता है ?

_______________________________________________

(घ) सोचो, बादल को जादूगर क्यों कहा है ?

_______________________________________________

## 3- vki dh ckr &

(क) Þekjrh rd ,l >d tkrk
tl gkFkh lM uokrkß
जब बादल झुकता है तो कवि को ऐसा लगता है जैसे कोई हाथी अपनी सूँड को झुकाता है। आपको भी बादलों में तरह–तरह की आकृतियाँ दिखाई देती होंगी। उनके नाम लिखें–

_______________________________________________

(ख) आपको कैसा लगता है ?

- जब गरमी में बादल सूरज को ढक लेते हैं –

_____

- जब सरदी में बादल सूरज को ढक लेते हैं –

_____

## 4- dfork l vkx&

(क) नीचे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें –

- बादल दिन को रात कैसे बनाता है?

_____

- बादल धरती को कैसे खुश करता है ?

_____

(ख) 'झोले से बूँदें टपकाता'

बादल अपने झोले से बूँदें टपकाता है। इसी तरह ये अपने झोले से क्या निकालेंगे ? सोचकर लिखें

- पिताजी _____
- माँ _____
- अध्यापिका _____
- जादूगर _____
- डाकिया _____

## 5- Hkk"kk dh ckr&

(क) इस कविता में बादल के कुछ काम दिए गए हैं, जैसे – खेल दिखाना, उड़ना।

96SMXE

ऐसे ही कुछ और काम कविता में से छाँटकर लिखें और उनसे वाक्य बनाएँ –

खेल दिखाना – जादूगर तरह–तरह के खेल दिखाता है।

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

_____ – _____

(ख) जादूगर शब्द 'जादू' और 'गर' शब्द से मिलकर बना है। ऐसे कुछ और शब्द बनाइए –

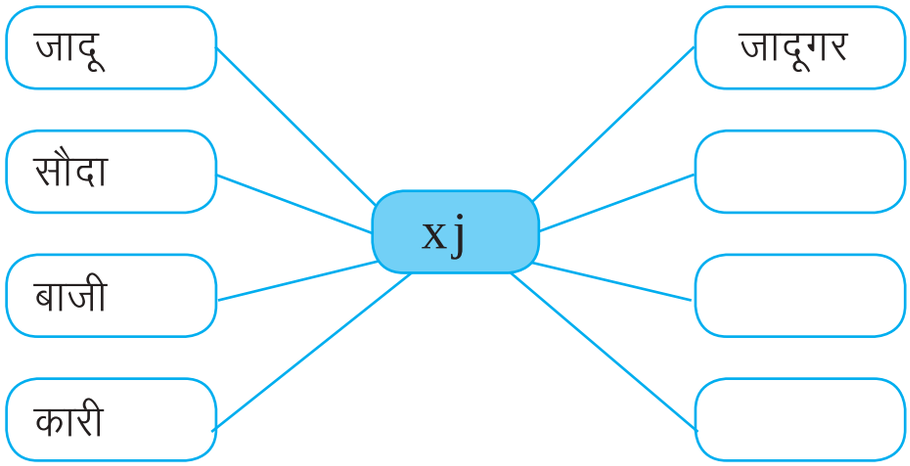


(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिए कविता में अन्य किन शब्दों का प्रयोग हुआ है?

हवा _____

आकाश _____

सूर्य _____

पृथ्वी _____

ikB 2

# टपका

972IZ2

एक था धोबी, जिसका नाम धनिया था। वह लोगों के कपड़े धोया करता था। वह बस्ती के बाहर एक झोंपड़ी में रहता था। धोबी की झोंपड़ी बहुत पुरानी थी। सावन–भादों की जोरदार बारिश हो रही थी। उसे हर समय टपके का डर बना रहता था। लोगों के कपड़ों पर टपका पड़ जाए, तो आई भारी आफत। टपके का दाग धुलता भी तो नहीं। धनिया अपनी पत्नी से कह रहा था, ''बड़े जोर की बरखा हो रही है। इतना डर मुझे शेर का भी नहीं है, जितना कि टपके का है।''

यह बात सुनी शेर ने, जो धनिया की झोंपड़ी के पिछवाड़े खड़ा था। शेर ने सोचा, टपका तो मुझसे ताकतवर है। धनिया को भी मेरा इतना डर नहीं, जितना टपके का है।

उधर, एक कुम्हार का गधा खो गया था। घटाटोप अँधेरा इतना, कि हाथ को हाथ भी न सूझे। कुम्हार अपने गधे को खोजता आ गया धनिया के पिछवाड़े। अँधेरे में उसका हाथ शेर पर पड़ा। उसने सोचा कि उसका गधा ही खड़ा है। उस पर चढ़ बैठा और उसके कान पकड़ लिए। कड़ककर बोला, ''गधे के बच्चे! यहाँ छिपा खड़ा है। तेरी ऐसी गति बनाऊँ कि याद करे सारी उम्र।'' शेर ने सोचा–आ गया टपका, अब खैर नहीं। वह सरपट दौड़ा।

कुम्हार ने मन ही मन सोचा–यह गधा मेरे गधे जैसा तो नहीं है। वह तो मरियल सा था, लेकिन यह तो मोटा–ताज़ा है। बिजली की तरह दौड़ता है। खूब हाथ लगा!

शेर जंगल की तरफ दौड़ा जा रहा था। सहसा बिजली चमकी। कुम्हार ने गौर से देखा। यह देखकर उसके तो होश उड़ गए कि वह गधे पर नहीं, शेर पर बैठा है। उधर शेर था कि तेज़ी से भागा चला जा रहा था। अजीब बात थी कि शेर कुम्हार से डर रहा था और कुम्हार शेर से। कुम्हार सोच रहा था, कैसे जान बचे ? रास्ते में एक बरगद का पेड़ था। उसकी दाढ़ी धरती पर लटक रही थी। शेर जब बरगद के पेड़ के नीचे से गुजरा तो कुम्हार ने उचक कर बरगद की दाढ़ी पकड़ ली। शेर को अपनी पीठ हलकी लगी, तो उसकी जान में जान आई। वह और जोर से भागा। वह डर रहा था कि कहीं टपका फिर न आ दबोचे।

उधर कुम्हार सोचने लगा कि वह छिप जाए बरगद की खोह में। उसने बरगद की एक खोह खोजी और छिपकर बैठ गया। वह सोच रहा था कि रात यहीं काट लूँ। बरगद पर शेर चढ़ नहीं सकता। तड़के उठकर घर चला जाऊँगा।

उधर शेर था कि भागा ही जा रहा था। टपके का भय बैठा हुआ था दिल में। आगे मिला बंदर। शेर की इतनी बुरी दशा देखकर बंदर ने कहा, 'मामा! मामा! क्या बात है ? कहाँ भागे जा रहे हो ?'

''भाग ले भानजे! जंगल में टपका उतर आया है।'' शेर ने हाँफते हुए कहा।

''मामा! क्या बात करते हो ? टपके से डर गए। मैं तो इसे बड़े चाव से खाया करता हूँ।'' बंदर ने हँसकर कहा।

''अरे भानजे, यह वह टपका नहीं है। बहुत भयंकर बला है। मेरे कान ऐसे ज़ोर से पकड़े कि मुझे नानी याद आ गई।'' शेर ने गहरी साँस लेकर कहा।

''मामा! दिखाओ तो सही, कहाँ है वह टपका ?'' बंदर ने पूछा।

आखिर रहे बंदर के बंदर ही! शरारत किए बगैर नहीं रहोगे ? चलो। शेर ने कहा।

दोनों बरगद की ओर चले। कुम्हार ने भोर के प्रकाश में देखा कि शेर, बंदर के साथ चला आ रहा है। उसने सोचा कि बंदर उसे ऊपर से नीचे धकेलेगा और शेर खा जाएगा। वह डरकर बरगद की खोह में छिपकर बैठ गया और उसने अपने सिर पर पत्ते रख लिए।

शेर बरगद के नीचे खड़ा था। प्रकाश फैल रहा था। इस कारण शेर उतना डर नहीं रहा था। सोचता था कि टपका आ ही गया, तो भाग खड़ा होऊँगा। बंदर चढ़ गया बरगद के पेड़ पर। वह बरगद के बरमटों को तोड़–तोड़ कर नीचे फेंकता और पूछता–मामा! क्या यह है टपका ?

भानजे, जब टपके के काबू में आएगा, तो तुझे क्या, तेरे पूरे कुनबे को पता चल जाएगा। शेर ने कहा।

अब बंदर की उलटी बुद्धि! उछलता–कूदता जा बैठा वहाँ, जहाँ कुम्हार छिपा बैठा था, खोह में। कुम्हार ने सोचा कि आ गया, सिर पर दुष्ट। अब क्या करें ? बंदर की पूँछ खोह के भीतर कुम्हार के मुँह के सामने लटक रही थी। कुम्हार ने सोचा कि बहुत बढ़िया अवसर हाथ लगा है। अवसर चूक गए, तो फिर क्या बात बनी! उसने बंदर की पूँछ को जकड़ लिया अपने दोनों हाथों से।

अब बंदर जब वहाँ से उछलकर दूसरी टहनी पर जाने का प्रयत्न करने लगा, तो उससे वहाँ से हिला भी न गया। पूँछ भारी लगी। उधर शेर ने कहा, ''क्यों भानजे! क्या हाल है?''

अब बंदर भी डर गया। उसने पूँछ छुड़ाने के लिए ज़ोर लगाया। कुछ जोर लगा बंदर का और कुछ ज़ोर लगा कुम्हार का। पूँछ उखड़वा बैठा बंदर और 'धम्म' से आ पड़ा नीचे। शेर पहले ही भाग खड़ा हुआ था। बंदर भी उठकर भागा। दोनों भागते–भागते दूर निकल गए।

शेर बोला, ''क्यों भानजे! आ गया न काबू में टपके के ?''

''मामा, कौन कहता है कि वह टपका था, वह तो पूँछ उखाड़ था।'' बंदर ने हाँफते–हाँफते कहा।

*लोककथा*

# अभ्यास

## 1- vkb,] 'kCnksa ds vFkZ tkusa &

- आफत – मुसीबत
- उचककर – थोड़ा ऊपर उठकर
- गति – हालत
- घटाटोप – बादल घिरने के कारण हुआ अंधेरा
- पिछवाड़ा – घर के पीछे का भाग
- बरमट – बरगद के फल
- बरखा – वर्षा
- भोर – सवेरा
- मरियल – बहुत कमजोर
- सरपट – तेज दौड़ना

## 2- dgkuh ls &

(क) धनिया को टपके का डर क्यों था ?

____________________________________________

(ख) "Mekek! D;k ckr djrs gks \ Vid ls Mj x,A eSa rks bls cMs pko ls [kk;k djrk gwA**

बंदर ने हँसकर कहा। बंदर ने किस टपके के खाने की बात शेर से कही थी ?

____________________________________________

(ग) vkf[kj jgs cnj ds cnj gh! 'kjkjr fd, cxSj ugha jgkxsA

शेर की इस बात से बंदरों की कौन–सी विशेषता पता चलती है ?

____________________________________________

(घ) v thc ckr Fkh fd ‘kj dEgkj ls Mj jgk Fkk vkj dEgkj ‘kj lA शेर और कुम्हार एक–दूसरे से क्यों डर रहे थे ?

______________________________________________

(ङ) कुम्हार ने शेर से अपनी जान कैसे बचाई ?

______________________________________________

## 3- vkidh ckr &

(क) शेर ने टपके को अपने से बलवान समझा ? आप किस–किस को अपने से बलवान समझते हो?

(ख) बंदर को टपका बहुत अच्छा लगता था? आपको क्या–क्या अच्छा लगता है?

## 4- ikB ls vkx&

(क) कुम्हार गधे से क्या–क्या काम लेता होगा ?

(ख) ^Vid dk nkx èkqyrk Hkh rks ugha* पता करें, ऐसी और कौन–कौन सी चीज़ें हैं जिनके दाग कपड़ों से नहीं छूटते ?

(ग) ^‘kj tc cjxn d iM d uhp ls xqtjk] rks dEgkj us mpddj iM dh nk<h idM yh* अगर शेर बरगद के पेड़ के नीचे से न गुज़रता तो कुम्हार क्या करता ?

(घ) पाठ में आया है कि शेर और बंदर भागते–भागते दूर निकल गए। वे दोनों भागकर कहाँ गए होंगे ?

## 5- Hkk"kk dh ckr&

9IPNH9

(क) आधे का कमाल –

जंगल में टपका उतर आया है।

शेर और बंदर mÙkj की ओर भाग गए।

इन वाक्यों मे ^mrj* का अर्थ है– uhps mrj vkuk और mÙkj का अर्थ है– ,d fn’kk। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनका अर्थ लिखकर अपने

वाक्यों में प्रयोग करें –

पका ————————————————————

पक्का ————————————————————

मिट्टी ————————————————————

मिटी ————————————————————

कटा ————————————————————

कट्टा ————————————————————

गदा ————————————————————

गद्दा ————————————————————

फटा ————————————————————

फट्टा ————————————————————

(ख) 'ऐ' की मात्रा

दुकान पर बहुत सारे Qy रखे थे।
फलों की खुशबू चारों ओर Qy रही थी।
इन वाक्यों को ध्यान से देखिए। Qy पर ,s dh ek=k लगने से नया शब्द Qy बन गया है। आप भी इन शब्दों में ऐ की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाएँ व लिखें –

| | | | |
|---|---|---|---|
| बल | ———————— | गर | ———————— |
| सर | ———————— | मल | ———————— |
| पर | ———————— | खर | ———————— |
| तर | ———————— | मना | ———————— |

(ग) g l में लगी बिंदी अनुस्वार है। g l में लगी बिंदी अनुनासिक है। दोनों की ध्वनियों में अंतर पहचानें।

अब नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर ( ं ) या ( ँ ) लगाएँ।

चाद    हस    बदर    बास

पखा    पाच    पूछ    कचा

(घ) ‘kj u xgjh lkl yhA

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें से ऐसे शब्दों पर गोला लगाएँ जिनके साथ xgjh शब्द का प्रयोग हो सकता है–

| | |
|---|---|
| पहाड़ी | नदी |
| खाई | बारिश |
| डाली | दोस्ती |
| नींद | हवा |
| दीवार | छाया |

## 6- ;g Hkh dj&

ydk&fNih

कुम्हार बरगद की खोह में छिप गया। लुका–छिपी के खेल में आप कहाँ–कहाँ छिपते हो ?

____________________    ____________________

____________________    ____________________

____________________    ____________________

ikB 3

# छोटी बातों, बड़े काम की

'यह करो !', 'यह मत करो!' मम्मी–पापा के मुँह से यह वाक्य आप कई बार सुनते होंगे। यह सुनकर आपको कभी–कभी बुरा भी लगता होगा किंतु दैनिक जीवन की छोटी–छोटी बातें कई बार बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं, जिनका पालन करना समाज व राष्ट्र हित के लिए अनिवार्य है। इसलिए ये छोटी–छोटी बातें बहुत काम की होती हैं।

तुम अपनी कक्षा में बैठे हो। अध्यापक महोदय के आने पर तुम उठकर खड़े हो जाते हो और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन करते हो। इस प्रकार तुम शिष्टाचार का पालन करते हो।

तरुण बस में बैठकर यात्रा कर रहा है। एक वृद्ध उसी बस में चढ़ा। बस में बैठने का कोई स्थान खाली न देखकर वृद्ध एक ओर खड़ा हो गया। यह

देखकर तरुण ने अपना स्थान उस वृद्ध के लिए छोड़ दिया। निश्चय ही तरुण ने अच्छे नागरिक का कर्त्तव्य निभाया।

इस प्रकार के व्यवहार अथवा आचरण को 'शिष्टाचार' कहा जाता है। राष्ट्र और समाज को आप से ऐसे ही अच्छे आचरण की अपेक्षा है।

बिजली का दुरुपयोग करना या बिजली की चोरी करना सही आचरण नहीं है। आपकी थोड़ी सी लापरवाही आपके बिजली के बिल को तो बढ़ाती ही है, साथ ही प्रदेश में बिजली का संकट भी पैदा करती है। क्या आपने कभी सोचा है कि यदि सौ घरों में एक–एक बल्ब भी व्यर्थ जलता रहे तो सौ बल्बों की बिजली लापरवाही के कारण बेकार चली जाएगी।

जब कमरे में कोई न बैठा हो तो पंखे और बत्तियाँ बंद कर दी जानी चाहिए।

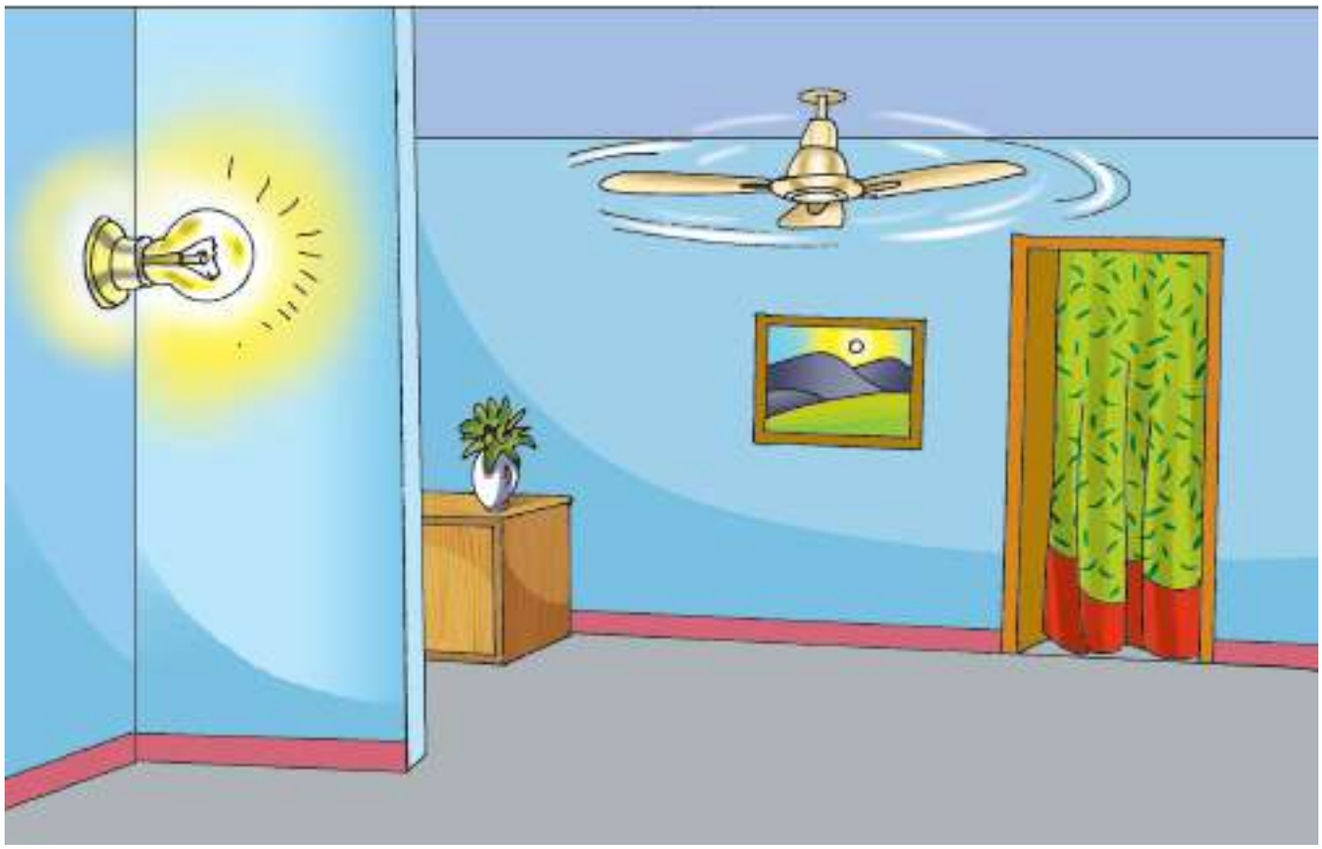

सुमन ने हाथ धोए और नल खुला छोड़ दिया। रमेश ने बरतन साफ करके रसोई का नल खुला छोड़ दिया। पानी बह रहा है, किसी को नल बंद करने की चिंता ही नहीं है। इसे अच्छा आचरण नहीं कहा जा सकता। सबको यह आदत डाल लेनी चाहिए कि जब पानी की जरूरत न हो, तब नल अच्छी तरह बंद कर दिया जाए।

वह देखो ! कुछ बच्चों ने आधी छुट्टी में खाना खाया और छिलके तथा कागज़ कूड़ेदान में न डालकर डैस्क के नीचे डाल दिए। ऐसा करना ठीक नहीं। कूड़ेदान का प्रयोग करने में अधिक समय नहीं लगता।

आवश्यकता न होने पर बत्तियाँ और नल बंद करना, कूड़े को सही स्थान पर डालना आदि ऐसी आदतें हैं, जिन पर ध्यान देने से आप अपने साथ–साथ समाज का भी भला करते हैं।

अच्छे संस्कार बचपन में ही पड़ जाते हैं और बड़े होने पर उनकी आदत बनी रहती है। इसलिए बचपन से ही अच्छी आदतों को अपनाना चाहिए।

समय का पालन करना, बस पर चढ़ते समय धक्का–मुक्की न करना, अपने से बड़ों का आदर करना, सभ्य भाषा का प्रयोग करना, स्वच्छता का ध्यान रखना आदि कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें अपना लेने से विद्यार्थी सभ्य नागरिक बन सकते हैं।

# अभ्यास

9J8FKJ

## 1- vkb,] 'kCnk d vFk tku &

- अपेक्षा – उम्मीद
- अभिवादन – प्रणाम/नमस्कार
- आचरण – व्यवहार
- दुरुपयोग – गलत इस्तेमाल
- निश्चय – पक्का इरादा
- व्यस्त – कार्य में लगा हुआ
- संकट – मुसीबत

## 2- ikB l &

(क) अध्यापक के कक्षा में आने पर आप किस प्रकार अभिवादन करते हैं ?

_____

_____

(ख) तरुण ने अच्छे नागरिक का दायित्व कैसे निभाया ?

_____

_____

(ग) प्रदेश में बिजली संकट पैदा होने के क्या कारण है ?

_____

_____

(घ) पानी को व्यर्थ बहने से कैसे बचाया जा सकता है ?

_____

_____

(ङ) अच्छे नागरिक बनने के लिए कौन सी आदतों को अपनाना चाहिए ?

_____

_____

(च) हाँ या नहीं में उत्तर दें –

| | gk | ugh |
|---|---|---|
| • हमें बड़ों का आदर करना चाहिए। | _____ | _____ |
| • मोबाइल पर मित्रों से गप्पें हाँकनी चाहिए। | _____ | _____ |
| • हाथ धोकर खाना खाना चाहिए। | _____ | _____ |
| • नल को खुला छोड़ देना चाहिए। | _____ | _____ |
| • रोजाना दाँत साफ करने चाहिए। | _____ | _____ |
| • कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए। | _____ | _____ |

## 3- vkidh ckr &

(क) अपने स्कूल व आस–पड़ोस को स्वच्छ रखने के लिए आप क्या करते हैं ?

(ख) आप अपने घर में पानी व बिजली की बचत कैसे करते हैं ?

(ग) पाठ के अलावा और कौन–कौन सी अच्छी आदतें हैं जिनसे हम समाज का भला कर सकते हैं ?

(घ) कोई ऐसी घटना बताएँ जिसमें आपने किसी की मदद की हो। मदद करने के उपरांत आपको कैसा महसूस हुआ ?

(ङ) मोबाइल के सदुपयोग व दुरुपयोग पर चर्चा करें।

(च) आपके घर में किस बल्ब का प्रयोग किया जाता है ? यह भी पता करें, किस बल्ब के प्रयोग से बिजली की बचत की जा सकती है ?

## 4- Hkk"kk dh ckr&

9JHBM7

(क) शिष्ट

अशिष्ट भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'शिष्ट' और 'अशिष्ट' एक दूसरे का उलटा अर्थ देते हैं। इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखें–

स्वच्छ – _____

दुरुपयोग – _____

सुख – _____

सभ्य – _____

आदर – _____

(ख) शिष्टाचार का पालन करने वाले को 'शिष्टाचारी' कहते हैं। नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए एक–एक शब्द लिखें–

- ईमानदारी से काम करने वाला _____
- दूसरों पर उपकार करने वाला _____
- सदा सच बोलने वाला _____
- कम बोलने वाला _____
- बहुत अधिक बोलने वाला _____
- साथ पढ़ने वाला _____
- साथ काम करने वाला _____

(ग) पाठ में 'नागरिक' शब्द का प्रयोग हुआ है। जो 'नगर' के साथ 'इक' लगने से बना है। आप भी 'इक' लगाकर नए शब्द बनाएँ –

नगर + इक – नागरिक

वर्ष + इक – _____

समाज + इक – _____

दिन + इक – _____

व्यवहार + इक – ________________

इतिहास + इक – ________________

विज्ञान + इक – ________________

## 5- i<] le>: vkj fy[k &

(क) मेरा प्रयोग होता है–

- संदेश भेजने के लिए ________________
- समय व तिथि देखने के लिए ________________
- गणना करने के लिए ________________

(ख) छोटे गोले के अंदर एक शब्द दिया गया है– विद्यालय। अन्य बॉक्स में उससे संबंधित चीजों के नाम लिखें–

उदाहरण–

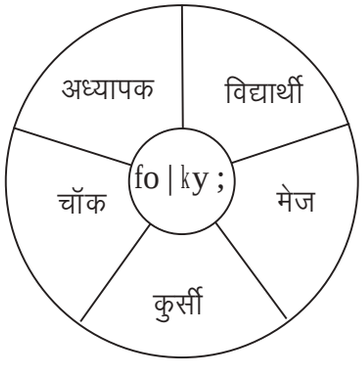

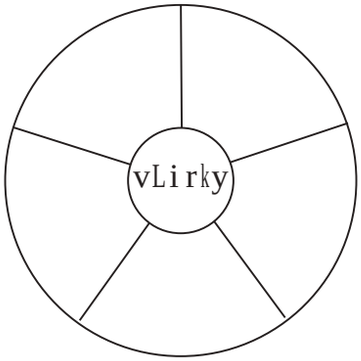

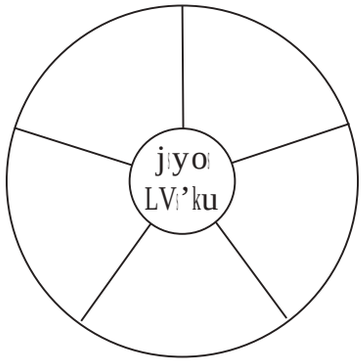

ikB

# 4 बारंह मास

9JR7NU

फागुन फाग खिलाता आता,
चैत चाँदनी को छिटकाता।
है बसंत बैसाख बुलाता,
जेठ आम का पना पिलाता।
है अषाढ़ पानी बरसाता,
सावन झूले खूब झुलाता।
भादों नदी ताल भर जाता,
दशहरा कुवार ले आता।
कार्तिक दीवाली चमकाता,
अगहन आग तपाता आता।
पूस गरम कपड़े पहनाता,
माह माहवट है बरसाता।
नया महीना जो भी आता,
नई–नई रंगत दिखलाता।

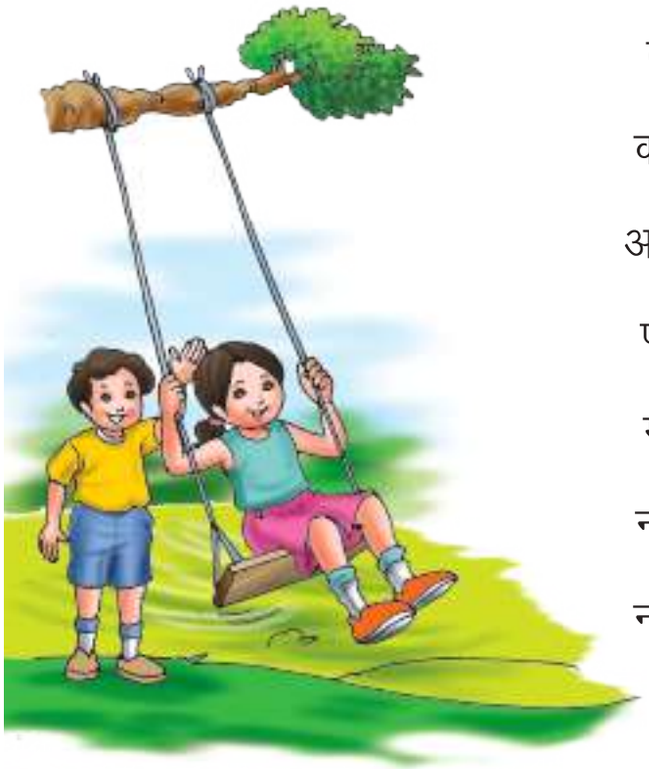

*–सोहनलाल द्विवेदी*

# अभ्यास

9K13QH

## 1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa &

- फाग — होली का उत्सव
- छिटकाता — चारों ओर फैलाना
- आम का पना — भूने हुए कच्चे आम का शर्बत
- ताल — तालाब
- फागुन — फाल्गुन मास
- अगहन — मार्गशीर्ष
- पूस — पौष
- कुवार — आश्विन मास
- माहवर — माघ मास की वर्षा

## 2- ikB ls &

(क) कविता में किन–किन देशी महीनों के नाम आए हैं ? क्रम से लिखें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |

(ख) फाल्गुन और कार्तिक मास में कौन–कौन से त्योहार आते हैं ?

________________________________________

________________________________________

(ग) आम का पना कौन से महीने में पीते हैं ?

________________________________________

________________________________________

## 3- vkidh ckr &

(क) आपने आम का पना पीया है। बताइए, आपको उसका स्वाद कैसा लगा?

(ख) सावन के महीने में आप किन के साथ झूला झूलते हैं और आपको कैसा लगता है ?

(ग) आप सरदी के मौसम में कौन–कौन से कपड़े पहनते हैं ?

## 4- ikB l vkx&

(क) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जिनका संबंध अलग–अलग त्योहारों से है। इन्हें पहचानें–

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| गुलाल, | पिचकारी, | दीये, | रंगोली, | रेवड़ी, | मूँगफली, |
| गज्जक, | होलिका दहन, | खील, | पतासे, | चूरमा | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| दीपावली | ———— | ———— | ———— | ———— |
| होली | ———— | ———— | ———— | ———— |
| लोहड़ी | ———— | ———— | ———— | ———— |
| मकर संक्रांति | ———— | ———— | ———— | ———— |

(ख) नीचे कुछ दिवस दिए गए हैं। लिखें, ये अंग्रेज़ी महीने की कौन सी तिथि को आते हैं?

- गाँधी जयंती ————————————————————
- बाल दिवस ————————————————————
- अध्यापक दिवस ————————————————————
- हिंदी दिवस ————————————————————
- स्वतंत्रता दिवस ————————————————————
- गणतंत्र दिवस ————————————————————
- महिला दिवस ————————————————————

## 5- Hkk"kk dh ckr&

वह खाना खाता है। इस वाक्य में 'खाता है' शब्द काम करने का बोध करा रहा है। अतः यह क्रिया है। नीचे दिए गए शब्दों के साथ क्रिया जोड़कर लिखें।

- पानी ____________
- झूला ____________
- गीत ____________
- कविता ____________
- कहानी ____________
- कपड़े ____________

## 6- ;g Hkh djsa&

(क) नीचे दिए गए बॉक्स में अपने मित्र को 'दीपावली' की शुभकामनाएँ देते हुए कार्ड बनाएँ–



nhikoyh dh eaxy dkeuk,¡

(ख) 'नई–नई रंगत दिखाता'

नई रंगत का अर्थ है नया रूप रंग, नया निखार। बताएँ, इन्हें आप कैसे निखारेंगे?

कपड़ा – इस्त्री करके, धोकर, मरम्मत करके

घर की दीवार – ________________________________

जूते – ________________________________

कक्षा – ________________________________

आँगन – ________________________________

# vkiu fdruk lh[kk

1- fuEufyf[kr 'kCnk d lgh vFk fn, x, ckD l e fy[k&

- नवाता – झूमना/झुकाता _____
- बरखा – वर्षा/वन _____
- संकट – काटना/मुसीबत _____
- कुवार – माघमास/आश्विन मास _____

2- fn, x, okD;k'kk d fy, ,d&,d 'kCn fy[k&

- कम बोलने वाला – _____
- साथ काम करने वाला – _____

3- *bd* iR;; yxkdj 'kCn fy[k&

- समाज – _____ _____
- इतिहास – _____ _____

4- j[kkfdr 'kCn dk myVk 'kCn Hkjdj okD; ijk dj&

- दूसरों के प्रति सभ्य व्यवहार करो _____ नहीं
- समय का सदुपयोग करो _____ नहीं

5- *xj* iR;; yxkdj nk 'kCn cuk,&

- _____ _____ = _____
- _____ _____ = _____

6- lgh dFku d lkeu ¼✓½ o xyr d lkeu ¼✗½ dk fu'kku yxk,&

- हमें खाना हाथ धोकर खाना चाहिए। ☐
- मोबाइल पर मित्रों से गप्पे हाँकनी चाहिए। ☐

7- lgh feyku dj&

| | |
|---|---|
| ● गाँधी जयंती | 5 सितंबर |
| ● अध्यापक दिवस | 14 नवंबर |
| ● गणतंत्र दिवस | 26 जनवरी |
| ● बालदिवस | 2 अक्तूबर |

8- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fy[k&

- जादूगर कैसा दिखाई देता है?

_____

- धनिया को सबसे ज्यादा किसका डर था?

_____

- पानी को व्यर्थ बहने से कैसे बचाया जा सकता है?

_____

_____

- आम का पना किस महीने में पीते हैं?

_____

# पाठ 5
# गुब्बारे पर चीता

" मैं तो जरूर जाऊँगा, चाहे कोई छुट्टी दे या न दे।"

बलदेव सब लड़कों को सरकस देखने चलने की सलाह दे रहा है।

बात यह थी कि स्कूल के पास एक मैदान में सरकस पार्टी आई हुई थी। सारे शहर की दीवारों पर उसके विज्ञापन चिपका दिए गए थे। लड़के तमाशा देखने के लिए ललचा रहे थे। पहला तमाशा रात को शुरू होने वाला था, मगर हैडमास्टर साहब ने लड़कों को वहाँ जाने की मनाही कर दी थी। इश्तिहार बड़ा आकर्षक था–

'आ गया है! आ गया है!'

"जिस तमाशे की आप लोग भूख–प्यास छोड़कर इंतज़ार कर रहे थे, वही बंबई सरकस आ गया है।"

"आइए और तमाशे का आनंद उठाइए। बड़े–बड़े खेलों के सिवा एक खेल और भी दिखाया जाएगा, जो न किसी ने देखा होगा और न सुना होगा।"

लड़कों का मन तो सरकस में लगा हुआ था। सामने किताबें खोले जानवरों की चर्चा कर रहे थे। क्योंकर शेर और बकरी एक बर्तन में पानी पीएँगे! और इतना बड़ा हाथी पैरगाड़ी पर कैसे बैठेगा? पैरगाड़ी के पहिए बहुत बड़े–बड़े होंगे! तोता बंदूक छोड़ेगा! और वनमानुष बाबू बनकर मेज़ पर बैठेगा!

बलदेव सबसे पीछे बैठा हुआ अपनी हिसाब की कॉपी पर शेर की तस्वीर बना रहा था और सोच रहा था कि कल शनिवार नहीं, इतवार होता तो कैसा मज़ा आता।

बलदेव ने बड़ी मुश्किल से कुछ पैसे जमा किए थे। मना रहा था कि कब छुट्टी हो और कब भागूँ। हैडमास्टर साहब का हुक्म सुनकर वह आपे से बाहर

हो गया। छुट्टी होते ही वह बाहर मैदान में निकल आया और लड़कों से बोला, ''मैं तो जाऊँगा, ज़रूर जाऊँगा चाहे कोई छुट्टी दे या न दे।'' मगर और लड़के इतने साहसी न थे। कोई उसके साथ जाने पर राज़ी न हुआ। बलदेव अब अकेला पड़ गया। मगर वह बड़ा ज़िद्दी था, दिल में जो बात बैठ जाती, उसे पूरा करके ही छोड़ता था। शनिवार को और लड़के तो मास्टर जी के साथ गेंद खेलने चले गए, बलदेव चुपके से खिसककर सरकस की ओर चला। वहाँ पहुँचते ही उसने जानवरों को देखने के लिए दस रुपए का टिकट खरीदा और जानवरों को देखने लगा। इन जानवरों को देखकर बलदेव मन में बहुत झुँझलाया, वह शेर है ! मालूम होता है महीनों से इसे मलेरिया बुखार आ रहा हो। वह भला क्या बीस हाथ ऊँचा उछलेगा! और यह सुंदर–वन का बाघ है ? जैसे किसी ने इसका खून चूस लिया हो। मुर्दे की तरह पड़ा है। वाह रे भालू! भालू है या सूअर, और वह भी, जैसे मौत के चँगुल से निकल भागा हो। अलबत्ता चीता कुछ जानदार है और एक तीन टाँग का कुत्ता भी।

यह कहकर बड़े ज़ोर से हँसा। उसकी एक टाँग किसने काट ली ? दुमकटे कुत्ते तो देखे थे, पैरकटा कुत्ता आज ही देखा! और यह दौड़ेगा कैसे ?

उसे अफसोस हुआ कि गेंद छोड़कर यहाँ नाहक आया। दस रुपये भी गए। इतने में एक बड़ा भारी गुब्बारा दिखाई दिया। उसके पास एक आदमी खड़ा चिल्ला रहा था– ''आओ, चले आओ, चार रुपये में आसमान की सैर करो।''

अभी वह उसी तरफ देख रहा था कि अचानक शोर सुनकर वह चौंक पड़ा। पीछे फिरकर देखा तो मारे डर के उसका दिल काँप उठा। वही चीता न जाने किस तरह पिंजरे से निकलकर उसी की तरफ दौड़ा चला आ रहा था। बलदेव जान बचाकर भागा।

इतने में एक और तमाशा हुआ। इधर से चीता गुब्बारे की तरफ दौड़ा। जो आदमी गुब्बारे की रस्सी पकड़े हुए था, वह चीते को अपनी तरफ आता देखकर बेतहाशा भागा। बलदेव को और कुछ न सूझा तो वह झट से गुब्बारे पर चढ़ गया। चीता भी शायद उसे पकड़ने के लिए कूदकर गुब्बारे पर जा पहुँचा। गुब्बारे की रस्सी छोड़कर तो वह आदमी पहले ही भाग गया था। वह गुब्बारा उड़ने के लिए बिलकुल तैयार था। रस्सी छूटते ही वह ऊपर उठा। बलदेव और चीता दोनों ऊपर उठ गए। बात की बात में गुब्बारा ताड़ के बराबर जा पहुँचा।

बलदेव ने एक बार नीचे देखा तो लोग चिल्ला–चिल्लाकर उसे बचने के उपाय बतलाने लगे। मगर बलदेव के तो होश उड़े हुए थे। उसकी समझ में कोई बात न आई। ज्यों–ज्यों गुब्बारा ऊपर उठता जाता था, चीते की जान निकली जाती थी। उसकी समझ में न आता था कि कौन मुझे आसमान की ओर लिए जाता है। वह चाहता तो बड़ी आसानी से बलदेव को चट कर जाता, मगर उसे अपनी ही जान की फिक्र पड़ी हुई थी। सारा चीतापन भूल गया था। आखिर वह इतना डरा कि उसके हाथ–पाँव फूल गए और वह फिसलकर उलटा नीचे गिरा। ज़मीन पर गिरते ही उसकी हड्डी–पसली चूर–चूर हो गई।

अब तक तो बलदेव को चीते का डर था। अब यह फिक्र हुई कि गुब्बारा मुझे कहाँ लिए जाता है। वह एक बार घंटाघर की मीनार पर चढ़ा था। ऊपर से उसे नीचे के आदमी खिलौनों–से और घर घरौंदों – से लगते थे। मगर इस वक्त वह उससे कई गुना ऊँचा था।

एकाएक उसे एक बात याद आ गई। उसने किसी किताब में पढ़ा था कि गुब्बारे का मुँह खोल देने से गैस निकल जाती है और गुब्बारा नीचे उतर आता है। मगर उसे यह न मालूम था कि मुँह बहुत धीरे–धीरे खोलना चाहिए। उसने एकदम उसका मुँह खोल दिया और गुब्बारा बड़े ज़ोर से गिरने लगा। जब वह जमीन से थोड़ी ऊँचाई पर आ गया तो उसने नीचे की तरफ देखा, दरिया बह रहा था, फिर तो वह रस्सी छोड़कर दरिया में कूद पड़ा और तैरकर निकल आया।

*–मुंशी प्रेमचंद*

# अभ्यास

9KSQVF

## 1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku &

- अलबत्ता – बेशक, निस्संदेह
- आकर्षक – आकर्षित करने वाला/सुंदर
- इश्तिहार – विज्ञापन
- झुंझलाना – चिड़चिड़ाना/ क्रोधित होना
- दुमकटे – पूँछ कटे हुए
- नाहक – बेकार में
- बेतहाशा – बिना इधर–उधर देखे बहुत तेजी से
- वनमानुष – चिंपाजी
- हुक्म – आदेश

## 2- dgkuh l &

(क) लड़के अपने सामने किताबें खोले क्या चर्चा कर रहे थे?

______________________________________________

______________________________________________

(ख) सरकस में आकर बलदेव को अफसोस क्यों हुआ?

______________________________________________

______________________________________________

(ग) चीता चाहता तो बड़ी आसानी से बलदेव को चट कर जाता मगर उसने ऐसा क्यों नहीं किया?

______________________________________________

______________________________________________

(घ) गुब्बारे पर उड़ते हुए बलदेव को अचानक कौन–सी बात याद आ गई?

_____

_____

(ङ) गुब्बारे वाला गुब्बारे की रस्सी छोड़कर बेतहाशा क्यों भागा?

_____

_____

## 3- vkidh ckr &

(क) बलदेव सोच रहा था कि कल शनिवार न होकर, इतवार होता तो कैसा मजा आता? आपके विचार से अगर 'कल' रविवार होता तो बलदेव को मजा क्यों आता?

(ख) बलदेव चुपके से सरकस देखने चला गया था। आप कौन–कौन से काम चुपके से करते हैं?

(ग) क्या आप कभी सरकस या कोई मेला देखने गए हैं? यदि हाँ, तो आपको वहाँ कौन–कौन से खेल पसंद आए?

(घ) पक्षी जैसे आकाश में उड़ते हैं वैसे ही बलदेव गुब्बारे पर बैठकर आकाश में उड़ा। आप भी बलदेव की तरह आकाश में उड़ना पसंद करेंगे। यदि हाँ, तो कैसे ? यदि नहीं, तो क्यों ?

## 4- Hkk"kk dh ckr &

(क) तोता बंदूक छोड़ेगा–वाक्य में rkrk कर्ता है तथा cnd कर्म है।

कुछ अन्य वाक्य लिखकर कर्ता को रेखांकित करे व कर्म को गोला लगाएँ।

9L2LX3

_____

_____

_____

(ख) ''बलदेव अकेला पड़ गया था। मगर वह बड़ा हठी था।'' बलदेव संज्ञा शब्द है। 'वह' शब्द बलदेव के लिए आया है। जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर आते हैं, उन्हें lokuke कहते हैं। ऐसे ही और सर्वनाम शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखें–

_____ _____

_____ _____

_____ _____

_____ _____

(ग) बेतहाशा शब्द में 'बे' उपसर्ग लगा है निम्नलिखित उपसर्ग की सहायता से दो–दो शब्द बनाएँ–

- सु _____ _____
- उप _____ _____
- परि _____ _____
- प्र _____ _____
- दुर _____ _____

(घ) मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करके लिखें–

- दिल में बात बैठ गई– _____
- खून चूस लिया– _____
- दिल काँप उठा– _____
- हाथ पाँव फूल गए– _____
- होश उड़ गए– _____

f'k{kd d fy, – यदि संभव हो तो किसी सर्कस के दृश्य की सी.डी. बच्चों को दिखाएँ।

ikB 6

# पानी तेरी अज़ब कहानी

9LBHYQ

थल पर पानी, नभ में पानी
पानी तेरी अज़ब कहानी !

पानी से भोजन पकता है
पानी से भोजन पचता है
पानी से ही करें सिंचाई
पानी तन की करे सफाई
पानी है जीवों का जीवन
रोज़ बताती बूढ़ी नानी !

सब्जी और फलों में पानी
कूपों और नलों में पानी
है पहचान नदी की पानी
रहती माँग सभी की पानी
सच पूछो काले बादल ने
पानी की कीमत पहचानी !

पानी को न व्यर्थ गँवाएँ
पानी पीकर प्यास बुझाएँ
पानी स्वच्छ रहे तो अच्छा
पानी नहीं बहे तो अच्छा
पानी कितना उपयोगी है
सच्चाई दुनिया ने जानी !

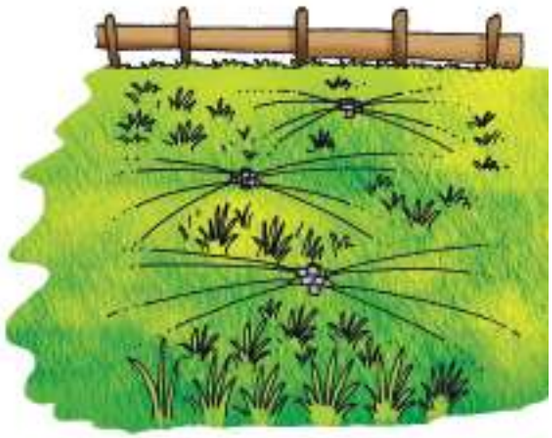

पानी बिना जिंदगी सूनी
पानी देता सुविधा दूनी
पानी की हर बात विचारें
मत आँखों का पानी मारें
पानी रखना सीखें हम सब
होना पड़े न पानी–पानी !

*–घमंडीलाल अग्रवाल*

# अभ्यास

## 1- vkb,] ‘kCnksa dk vFkZ tkusa &

- अजब – अनोखा
- उपयोगी – लाभदायक
- कूप – कुआँ
- कीमत – मूल्य
- थल – धरती
- नभ – आकाश
- व्यर्थ – बेकार

## 2- dfork ls &

(क) कविता में किन–किन चीजों में पानी का होना बताया गया है?

__________________________________________________

(ख) पानी के क्या–क्या उपयोग कविता में बताए गए हैं ?

__________________________________________________

(ग) पानी को व्यर्थ क्यों नहीं बहाना चाहिए ?

__________________________________________________

(घ) बूढ़ी नानी पानी के विषय में क्या कहती है ? अपने शब्दों में लिखें।

__________________________________________________

## 3- vkilh ckr &

(क) यदि घर में एक दिन पानी न आए तो इसका आपकी दिनचर्या पर क्या प्रभाव पड़ेगा? चर्चा करें।

(ख) आपने सुना होगा कि नदियों, तालाबों और पोखरों का जल दूषित होता जा रहा है। इनका जल दूषित होने के क्या–क्या कारण हैं? इस पर कक्षा में चर्चा करें।

(ग) पता लगाएँ कि कौन–कौन से उद्योग जल की सहायता से चलते हैं?

## 4- Hkk"kk dh ckr &

(क) नीचे जल से कुछ शब्द बनाए गए हैं।

जैसे– जलज = जल से उत्पन्न = कमल

जलद = जल देने वाला = बादल

इसी प्रकार अम्बु, नीर तथा वारि से भी शब्द बनाएँ–

| | vEcq | uhj | okfj |
|---|---|---|---|
| ज | | | |
| द | | | |
| धर | | | |
| धि | | | |

(ख) 'होना पड़े न पानी–पानी' पंक्ति में 'पानी–पानी होना' मुहावरे का प्रयोग किया गया है जिसका अर्थ है–शर्मिंदा होना।

इसी तरह पानी से संबंधित कुछ मुहावरे इकट्ठे करें और उनका उचित संदर्भ में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाएँ।

____________________ ____________________

____________________ ____________________

(ग) 'पानी तेरी अज़ब कहानी!'

इस पंक्ति के अंत में (!) चिह्न लगाया गया है। यह चिह्न खुशी, हैरानी, और घृणा आदि जताने के लिए लगाया जाता है। इस चिह्न का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए। जैसे –

[kq'kh dk Hkko trkus d fy,& okg! D;k ckr gS A

1. हैरानी जताने के लिए

__________________________________________

2. दुख जताने के लिए

_____

3. घृणा जताने के लिए

_____

(घ) बच्चों और बच्चो–

पानी रखना सीखो बच्चो

बच्चों ने पानी भर लिया।

इन दोनों शब्दों को ध्यान से देखिए। बच्चो शब्द दो बार आया है लेकिन उनमें एक जगह (ँ) है और दूसरे में नहीं है।

जब हम किसी को पुकारते या संबोधित करते हैं तो (ँ) अनुस्वार का प्रयोग नहीं होता।

uhp fy[k okD;k e fn, ekV 'kCnk dk è;ku l n[kA ftue vuLokj ¼&½ yxxk] ogk yxk,A

1. iMk को पानी दे दो।
2. cPpk, मेरी बात सुनो।
3. यह cPpk की पुस्तक है।
4. cknyk ने सूर्य को भी ढक लिया।
5. cknyk, अब तो बरस जाओ।

## 5- lkp vkj fy[k &

'जल बचाओ, कल बचाओ' आपने कई बार इस वाक्य को सुना होगा यह एक नारा है।

इसी प्रकार जल से संबंधित दो नारे स्वयं बनाकर लिखें –

1. _____

   _____

2. _____

   _____

# igfy;k¡ ¼dqN vkSj i<+s½

बूझो बच्चो एक पहेली,
सबकी है यह सखी सहेली।
सभी uke से इसे बुलाते,
अध्यापक जी यह सिखलाते।

चिड़िया एक चिड़ियाँ अनेक,
फूल एक भँवरें अनेक।
,d&vusd का ज्ञान कराऊँ,
भाषा में, मैं क्या कहलाऊँ ?

सीधा अर्थ न मुझको आता,
उलटा काम ही मुझको भाता।
myV&Qsj ही मेरा काम,
वि अक्षर से मेरा नाम।

काम करो भई काम करो,
देती हूँ मैं यह पैगाम।
बोलो–बोलो मेरा नाम,
छिपा dke में मेरा नाम।

यह सफेद है, वह है काला,
यह कड़वा है वह रसवाला।
भाँति–भाँति के xq.k बतलाता,
भाषा में, मैं क्या कहलाता ?

बार–बार न लूँ इक नाम,
^;g* ^og* कहकर करता काम।
rsjk& esjk मुझको आता,
सोचो तो, मैं क्या कहलाता ?

ckDl esa fn, x, 'kCnksa esa ls lgh mÙkj dk p;u djsa&

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सर्वनाम | विशेषण | संज्ञा | क्रिया | वचन | विलोम |

ikB 7

# पोंगल

9Y8IIK

किसान अत्यंत परिश्रमी व कर्मठ होता है। वह बहुत परिश्रम करता है लेकिन उसका जीवन प्रकृति से जुड़ा रहता है। वह प्रकृति के साथ ही हँसता–रोता है, नाचता–गाता है। बुआई, सिंचाई, निराई आदि खेती–बाड़ी के सारे काम वह मौसम के अनुसार करता है। जब खेत–खलिहान अनाज से भर जाते हैं, तब उसके पाँव थिरक उठते हैं। त्योहारों का जन्म यहीं से होता है।

पोंगल नई फसल का त्योहार है। यह मकर संक्रांति के दिन मनाया जाता है। तमिलनाडु का यह प्रमुख त्योहार है। 'पोंगल' के दिन खेतों से सुनहरे रंग का नया धान काटकर किसान घर लाता है। गन्ने की फसल तैयार होती है। इन्हें देखकर किसान का मन नाच उठता है। उसके जीवन में मिठास आ जाती है। संक्रांति के दिन नए चावल का मीठा भात बनाकर सूर्य को चढ़ाया जाता है।

इसी मीठे भात को 'पोंगल' कहते हैं। इसी से त्योहार का नाम 'पोंगल' पड़ा है।

पोंगल त्योहार चार दिनों तक मनाया जाता है। पोंगल के पहले दिन लोग 'भोगी' का त्योहार मनाते हैं। पूरे घर की सफाई की जाती है। इस दिन शाम को बच्चे ढोल और बाजे बजाकर खुशियाँ मनाते हैं।

पोंगल के दूसरे दिन घर–आँगन को रंगोली से सजाते हैं। नहा–धोकर सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं। इस दिन सब कुछ नया–नया होता है। आँगन में अँगीठी जलाकर नए बर्तन में पोंगल पकाया जाता है। बर्तन में हल्दी का पौधा बाँध दिया जाता है। गन्ने के रस में नई फसल का चावल पकाया जाता है। जब चावल उबलकर ऊपर उठते हैं तब उसमें दूध डाल देते हैं। दूध के साथ उफनता हुआ पोंगल बर्तन के ऊपर से उमड़ता है और चारों ओर रिसकर आँच में टपक पड़ता है। उस समय चारों ओर इकट्ठे लोग खुशी से नाच उठते हैं और खुशी से चिल्लाते हैं– 'पोंगल–पोंगल !' लोग अपने पास–पड़ोस में पोंगल बाँटते हैं। उसके बाद मित्र और सगे–संबंधी सब मिलकर बढ़िया भोजन करते हैं।

तीसरे दिन 'माट्टु पोंगल' मनाया जाता है। माट्टु पोंगल के दिन गाय–बैलों को अच्छी तरह नहलाया जाता है। उनके सींगों को रंगते हैं और

उन्हें रंगीन कपड़ों से सजाते हैं। लोग उनके गले में फूल–मालाएँ पहनाते हैं तथा उन्हें गुड़ और अच्छी–अच्छी चीज़ें खिलाते हैं। शाम को मैदान में बैलों को दौड़ाया जाता है।

चौथे दिन 'काणुम पोंगल' होता है। खाना खाकर पूरा परिवार घर से बाहर निकल पड़ता है। जगह–जगह मेले लगते हैं। जिनमें लोग घूमते हैं या आसपास के स्थान देखने के लिए चल पड़ते हैं। खेती से संबंधित यह त्योहार पूरे भारत में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। गुजरात से लेकर बंगाल तक लोग इसे संक्रांति के नाम से मनाते हैं। उत्तर भारत में संक्रांति पर स्नान का महत्त्व है। गंगा, यमुना, नर्मदा आदि नदियों में लोग स्नान करते हैं। चावल और मूँग की दाल की खिचड़ी बनाकर खाते–खिलाते हैं।

9YHEK8

# अभ्यास

## 1- vkb,] 'kCnks dk vFkZ tkus &

- गुनगुनाना – धीमी आवाज में गाना
- थिरकना – नाचना
- निराई करना – फसल के आसपास उग आए घास–फूस को हटाना
- पौष – पूस का महीना
- प्रतीक – चिह्न/संकेत
- बुआई करना – बीज बोना
- भोज – दावत
- मंगलमय – कल्याणकारी
- संपत्ति – धन–दौलत
- सिंचाई – पौधों/ फसलों को पानी देना
- स्नान – नहाना

## 2- ikB ls &

(क) पोंगल त्योहार चार दिनों तक मनाया जाता है। इसके पहले दिन लोग क्या करते हैं?

________________________________________________

________________________________________________

(ख) पोंगल को नई फसल का त्योहार क्यों कहा गया है?

________________________________________________

(ग) ^ml fnu lc dN u;k gkrk g* पाठ को समझकर बताएँ कि पोंगल के दिन क्या–क्या नया होता है?

________________________________________________

________________________________________________

(घ) पोंगल के तीसरे व चौथे दिन को क्या कहते हैं ?

_____

_____

## 3- vkidh ckr &

(क) लोग गाय–बैलों के सींगों को रंगते हैं और उन्हें रंगीन कपड़ों से सजाते हैं। आप किस त्योहार पर घर की चीजों को रंग करते हैं?

(ख) पोंगल के दिन सभी मित्र और सगे–संबंधी मिलकर बढ़िया भोजन करते हैं। आप मकर संक्रांति के दिन क्या–क्या खाते हैं ?

(ग) किसान के जीवन में मिठास आ जाती है। इस वाक्य में 'जीवन में मिठास आना' का मतलब है–जीवन में खुशहाली आना। ऐसी और कौन–सी बातें हैं ? जिनसे आपके जीवन में मिठास आती है।

(घ) किसान बुआई, सिंचाई, निराई आदि खेती–बाड़ी के सारे काम मौसम के अनुसार करता है। खेती–बाड़ी का काम करने के लिए बहुत से उपकरणों की आवश्यकता होती है। बताएँ कि आपके आसपास खेती–बाड़ी में किन–किन उपकरणों का इस्तेमाल होता है।

## 4- Hkk"kk dh ckr &

(क) किसान का जीवन प्रकृति से जुड़ा रहता है। वह प्रकृति के साथ ही हँसता–रोता है, नाचता–गाता है। बुआई, सिंचाई, निराई आदि खेती–बाड़ी के सारे काम वह मौसम के अनुसार करता है। ऊपर के वाक्यों में आए 'किसान' शब्द की जगह 'किसान की पत्नी' लिखकर सभी वाक्यों को दोबारा लिखें।

_____

_____

_____

_____

(ख) पोंगल नई फसल का त्योहार है।
यह संक्रांति के दिन मनाया जाता है।
ऊपर दो वाक्य लिखे हैं। आइए, इन्हें मिला कर एक वाक्य बनाएँ–
पोंगल नई फसल का त्योहार है और यह संक्रांति के दिन मनाया जाता है।
इसी तरह नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। उन्हें मिलाकर एक वाक्य बनाएँ–

- लोग गाय–बैलों के सींगों को रँगते हैं।
  वे उन्हें रंगीन कपड़ों से सजाते हैं।
  _____

- मेरा नाम दीपक है।
  मेरे भाई का नाम आदित्य है।
  _____

- मैं कल बाजार गया था।
  मैं बाजार से खिलौना लाया।
  _____

- दिव्या गाना गा रही है।
  शारदा नाच रही है।
  _____

(ग) लोग गाय–बैलों के गले में फूल–मालाएँ पहनाते हैं।
मक्का जब आग में डाला जाता है तो यह खील की तरह फूल उठता है।
पहले वाक्य में 'फूल' शब्द का अर्थ है–फूल या पुष्प।
दूसरे वाक्य में 'फूल' का अर्थ है–फूलना।
नीचे शब्द दो बार दिए गए हैं, उनके अलग–अलग अर्थ पता करें और लिखें –

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अरुण | – | _____ | पत्र | – | _____ |
| अरुण | – | _____ | पत्र | – | _____ |
| उत्तर | – | _____ | घटा | – | _____ |
| उत्तर | – | _____ | घटा | – | _____ |

कुल – ————————  कनक – ————————

कुल – ————————  कनक – ————————

## 5- ;g Hkh dj& &

(क) संक्रांति के दिन नए चावल का मीठा भात बनाया जाता है। इसी मीठे भात को पोंगल कहते हैं। इसी से त्योहार का नाम पोंगल पड़ा।
नीचे कुछ त्योहार दिए गए हैं। पता करें कि इनका नाम कैसे पड़ा ?

दशहरा ————————————————————————————————

दीवाली ————————————————————————————————

होली ————————————————————————————————

तीज ————————————————————————————————

(ख) पोंगल में खेतों से सुनहरे रंग का नया धान किसान के घर आता है। पता करें व लिखें कि और कौन–कौन से अनाज खाए जाते हैं।

————————————  ————————————

————————————  ————————————

————————————  ————————————

(ग) गन्ने के रस में नई फसल का चावल पकाया जाता है। गन्ने से और क्या–क्या बनता है ? लिखें –

————————————  ————————————

————————————  ————————————

————————————  ————————————

# vkiu fdruk lh[kk

1- lgh ‘kCn ckDl e fy[k&

- मुश्किल / मुसकिल _____
- सब्जि / सब्जी _____
- आर्कषक / आकर्षक _____
- संक्राांति / सक्रांति _____

2- bu ‘kCnk d lgh vFk ckDl e fy[k&

- कूप – कूदना / कुआँ _____
- अलबत्ता – अगरबत्ती / बेशक _____
- भोज – भजन / दावत _____

3- fuEufyf[kr ‘kCnk l okD; cuk,&

- कुल _____
- कूल _____
- उतर _____
- उत्तर _____

4- fuEufyf[kr milxk l nk&nk ‘kCn cuk,&

- उप – _____ _____
- प्र – _____ _____

5- j[kkfdr ‘kCnk d LFkku ij louke ‘kCn dk i;kx djr g, iu% fy[k&

बलदेव ने नीचे देखा तो लोग चिल्ला–चिल्लाकर <u>बलदेव</u> को बचाने के उपाय बतलाने लगे। मगर <u>बलदेव</u> के होश उड़े हुए थे। <u>बलदेव</u> की समझ में कोई बात नहीं आ रही थी।

______________________________________________

______________________________________________

______________________________________________

6- fuEufyf[kr 'kCnk d vyx&vyx vFk fy[k&

- घटा ______________________

  घटा ______________________

- उत्तर ______________________

  उत्तर ______________________

7- fuEufyf[kr i’uk d mÙkj fy[k&

- बूढ़ी नानी ने पानी के विषय में क्या कहा?

  ______________________________________________

- बलदेव गुब्बारे से कैसे उतरा?

  ______________________________________________

- पोंगल को नई फसल का त्योहार क्यों कहा गया है?

  ______________________________________________

  ______________________________________________

ikB 8

# गौरव-गाथा

तुम्हें सुनाते गौरव–गाथा, वीरों के बलिदान की।
जिनके बल पर मिली हमें, आज़ादी हिंदुस्तान की।।

देखो ये हैं खड़े तिलक जी,
साहस की चट्टान से।
वीर लाजपतराय खड़े, जो–
लड़ सकते तूफान से।।

दादा भाई नौरोजी ने, हर मुश्किल आसान की।

जड़ें हिला दी गाँधी जी ने,
अंग्रेजों के राज की।
जीवन देकर रक्षा कर ली,
भारत माँ की लाज की।।

जन–जन के मन में बजती, शहनाई उनकी शान की।

भगत सिंह, सुखदेव दहकते–
अंगारों से खेलते।
नेता जी आज़ादी–ख़ातिर–
फिरते हैं दुख झेलते।।

कौन भुला सकता क़ुर्बानी, ऐसे वीर महान की।

आज़ादी के दीवाने ये
मौलाना आज़ाद हैं।
ये पटेल, जिनकी गर्मी से –
पिघल रहा फौलाद है।।

वीर लाजपत ने रक्षा की, भारत माँ की आन की।

*–डॉ० हरिश्चंद्र वर्मा*

## अभ्यास

9ZA2Q6

### 1. आइए, शब्दों का अर्थ जानें –

- गौरव–गाथा – बड़प्पन की कहानी
- साहस – हिम्मत
- फौलाद – सख़्त, कड़ा
- आन – मर्यादा
- कुर्बानी – बलिदान
- लाज – इज्ज़त

### 2. कविता से –

(क) कविता में किन–किन देशभक्तों के नाम आए हैं, लिखें ?

______________________________________________

______________________________________________

(ख) गाँधी जी ने हिंदुस्तान की आजादी के लिए क्या किया ?

______________________________________________

______________________________________________

(ग) कविता के अनुसार किन वीरों की कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता ?

______________________________________________

______________________________________________

(घ) कविता के अनुसार फौलाद किसकी गर्मी से पिघल रहा है ?

______________________________________________

______________________________________________

### 3. आपकी बात –

(क) आप किस देशभक्त को अपना आदर्श मानते हैं ?

(ख) बताएँ, आप अपने देश के लिए क्या–क्या करना चाहते हैं ?

## 4- Hkk”kk dh ckr &

'आज़ादी हिंदुस्तान की' में fgn|Lrku एक विशेष स्थान (देश) का नाम है। यह व्यक्तिवाचक संज्ञा है। नीचे दी गई तालिका में व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द लिखें।

| n’k@uxj dk uke | io|r dk uke | unh dk uke | 0;fDr dk uke |
|---|---|---|---|
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |
| ____________ | ____________ | ____________ | ____________ |

## 5- ;g Hkh dj & 

(क) dfork e fn, x, ohjk d uke ox igyh e l NkfV, \

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| आ | जा | द | भ | श | प्रे |
| म | हे | न्द्र | ग | र्वा | म |
| ला | ज | प | त | रा | य |
| ल | सु | टे | सिं | ज | म |
| ढ | ख | ल | ह | गु | ने |
| ळा | दे | श | र्मा | रु | ता |
| छु | व | रा | जे | श | जी |
| श्र | नी | ति | ल | क | ष |

(ख) irk yxk,¡ vkj fy[k &

| miuke | ijk uke |
|---|---|
| तिलक | बाल गंगाधर तिलक |
| लाला जी | ______________________ |
| पटेल | ______________________ |
| मौलाना | ______________________ |
| नेताजी | ______________________ |
| शास्त्री | ______________________ |
| आजाद | ______________________ |

## 6- ifDr;k ijh djs &

(क) नेताजी आजादी खातिर

______________________________।

(ख) ______________________________।

अंग्रेजों के राज की।

(ग) भगत सिंह, सुखदेव दहकते

______________________________।

7. (क) खेल–खेल में : पाठेत्तर

अध्यापक कक्षा के बच्चों से महापुरुषों के नाम पूछें प्रत्येक बच्चा यह ध्यान रखें कि पहले बताया गया नाम दोबारा न बोलें।

(ख) इस कविता में बलिदान की, हिंदुस्तान की, आन की, शान की, महान की, आदि मिलते–जुलते शब्द आए हैं, जिनसे कविता में लय उत्पन्न होती है। आप इसी तरह के मिलते–जुलते शब्द कविता से छाँटकर लिखें।

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

## >Mk xk;u ¼dN vkj i<½

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।

सदा शक्ति सरसाने वाला,
प्रेम सुधा बरसाने वाला,
वीरों को हरषाने वाला,
मातृभूमि का तनमन सारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।
स्वतंत्रता के भीषण रण में,
लखकर जोश बढ़े क्षण–क्षण में,
काँपे शत्रु देखकर मन में,
मिट जाए भय संकट सारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।

इस झंडे के नीचे निर्भय,
रहें स्वाधीन हम अविचल निश्चय,
बोलो भारत माता की जय,
स्वतंत्रता हो ध्येय हमारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।

आओ, प्यारे वीरो आओ,
देश धर्म पर बलि–बलि जाओ,
एक साथ सब मिलकर गाओ,
प्यारा भारत देश हमारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।

इसकी शान न जाने पाए,
चाहे जान भले ही जाए,
विश्व विजय करके दिखलाएँ,
तब होवे प्रण पूर्ण हमारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा,
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।

*–श्यामलाल पार्षद*

ikB

# 9 सुनो सबकी, करो मन की

9ZSTTG

फूलपुर गाँव में सुखराम नाम का व्यापारी रहता था। धनीराम उसका इकलौता बेटा था। सुखराम ने धनीराम को पहली बार अनाज मंडी भेजा। पिता ने चलते समय समझाया– "बेटा, व्यापार में दो पैसे का लाभ भी बहुत होता है। इसलिए भाव–ताव करके अनाज ख़रीदना। समझदार आदमी की सलाह सुनना पर करना अपनी समझ से। दिन डूबने पर घर आ जाना।"

दो ख़ाली बोरे लेकर वह घर से चला। अनाज की मंडी दूर एक गाँव में थी। इसलिए धनीराम घोड़े पर सवार होकर गया। कोई घंटे भर में मंडी पहुँच गया। अनाज की कई दुकानें देखीं। एक जगह सौदा पट गया। उसने एक बोरा गेहूँ तुलवा लिया, फिर बाज़ार की सैर की।

धीरे–धीरे दोपहर हो गई। धनीराम वापस आया और गेहूँ का बोरा घोड़े की पीठ पर लादकर ले चला। बोरा लदा होने से घोड़े की पीठ पर बैठने के लिए जगह नहीं बची, इसलिए वह पैदल चलने लगा।

रास्ते में मिल गए लाल बुझक्कड़। वह सिर पर लाल पगड़ी बाँधे अपने शिष्यों के साथ एक पेड़ के नीचे धूनी रमाए बैठे थे।

धनीराम को देखकर वे हँसने लगे। धनीराम को गुस्सा आ गया। उसने कहा– ''तुम लोग मुझे देखकर क्यों हँस रहे हो ?''

''क्योंकि तुम मूर्ख हो'' एक शिष्य ने कहा।

''मैं मूर्ख हूँ ? तुम लोग मुझे .....'', ऐसा कहकर धनीराम उनसे लड़ने को तैयार हो गया।

''ठहरो.....ठहरो ..... मैं समझाता हूँ'', दूसरे शिष्य ने धनीराम को शांत करते हुए कहा– ''बात यह है कि जब तुम्हारे पास घोड़ा है तो पैदल चलना मूर्खता की बात है या नहीं ?''

''अजीब बात करते हो ? देखते नहीं घोड़े की पीठ पर गेहूँ लदा है। मैं कैसे बैठूँ ?'' – धनीराम ने कहा।

हाँ, यह हुई न बात! – शिष्य ने कहा।

मैं कैसे बैठूँ – का जवाब देंगे, हमारे उस्ताद–'लाल बुझक्कड़'। आओ, उनसे पूछते हैं।''

अब वे सब लाल बुझक्कड़ के पास आए। उन्होंने धनीराम की समस्या बताई। लाल बुझक्कड़ सुनकर पहले तो गंभीर हो गए, फिर मुसकराने लगे।

इतनी छोटी–सी बात! अभी हल किए देता हूँ, समस्या को। लाल बुझक्कड़ ने कहा–''बोरे में क्या है?

गेहूँ – धनीराम ने कहा।

तो उतने ही वज़न के पत्थर दूसरे बोरे में भरो, फिर दोनों बोरे घोड़े के दोनों ओर लटका दो। वज़न बराबर हो जाएगा। घोड़े की पीठ भी ख़ाली हो जाएगी और तुम बैठकर जा सकोगे।

यह हुई न अक्ल की बात – शिष्यों ने एक स्वर में कहा।

धनीराम ने सोचा–यह समझदार आदमी है। इसकी बात माननी चाहिए। उधर लाल बुझक्कड़ आगे बढ़ गए। धनीराम ने एक बोरे में पत्थर भरे और उसे एक ओर लटकाकर गेहूँ का बोरा दूसरी तरफ कर दिया।

उसके मन में विचार आया कि दिन डूबने से पहले घर पहुँचना है। पैदल चलना तो मूर्खता है। वह घोड़े की पीठ पर बैठ गया। उसके बैठते ही घोड़ा गिर पड़ा। आस–पास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। धनीराम के हाथ–पैर छिल गए। उन्होंने बड़ी मुश्किल से घोड़े और धनीराम को उठाया। बोरे में

पत्थर भरे देखे तो वे धनीराम को डाँटने लगे– ''अजीब मूर्ख हो ! इतना वज़न घोड़े पर लादकर चलते हो। बेचारे जानवर पर ज़रा भी दया नहीं आई ?''

तुम लोग भी मुझे मूर्ख कहते हो ? धनीराम परेशान होकर बोला।

हाँ–हाँ, तुम मूर्ख हो। नहीं तो, बोरे में पत्थर क्यों भरते ?

गेहूँ का वज़न बराबर करने के लिए भरे हैं। यह मुझे लाल पगड़ी वाले बुजुर्ग ने सिखाया था। जैसा उन्होंने कहा – वैसा मैंने किया।

तो तुम्हें मूर्ख लाल बुझक्कड़ मिला था। वह तो मूर्ख है ही, तुम भी मूर्ख बन गए।

सच में मूर्ख बन गया। मैंने सोचा, सयाने और ज्ञानी दिखते हैं तो मैंने उनकी बात मान ली। लोगों ने धनीराम को समझाया, पत्थर लादने के बजाय, गेहूँ को दो हिस्सों में करके बोरों में भर लेते। दोनों बोरे लटका लेते। वज़न भी नहीं बढ़ता और तुम बैठकर भी आ जाते। कुछ अपनी समझ भी तो लगाई होती।

धनीराम को लगा, वह सचमुच मूर्ख बन गया। उसने तुरंत पत्थर फैंके। आधा गेहूँ दूसरे बोरे में भरकर दोनों ओर बोरे लटका दिए। अब ज्यों ही वह घोड़े की पीठ पर चढ़ा त्यों ही घोड़ा सरपट भाग चला। शाम होने से पहले वह घर भी पहुँच गया। वह मन ही मन सोच रहा था – बड़े–बुजुर्ग ठीक ही कहते हैं, सुनो सबकी, करो मन की। अब मैंने निश्चय कर लिया है कि ''सुनूँगा सभी की, पर करूँगा अपनी समझ से, अपने मन की।''

A12PV4

# अभ्यास

## 1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa &

- अनाज – अन्न
- उस्ताद – गुरु, शिक्षक
- लादा – लादना
- व्यापारी – खरीदने–बेचने का काम करने वाला।
- शिष्य – चेला, विद्यार्थी
- समस्या – कठिनाई
- हल – निदान

## 2- dgkuh ls &

(क) पिता ने धनीराम को मंडी जाते समय क्या समझाया ?

____________________________________________

(ख) लाल बुझक्कड़ ने धनीराम को क्या सलाह दी ?

____________________________________________

(ग) धनीराम पैदल क्यों चलने लगा ?

____________________________________________

(घ) धनीराम बुझक्कड़ के शिष्यों से लड़ने को क्यों तैयार हो गया ?

____________________________________________

(ङ) अंत में धनीराम किस नतीजे पर पहुँचा ?

____________________________________________

(च) 'यह हुई न अक्ल की बात' बुझक्कड़ के शिष्यों ने ऐसा क्यों कहा ?

____________________________________________

## 3- vkidh ckr &

धनीराम ने अनाज खरीदने के बाद बाज़ार की सैर की। आप भी कभी अपने नजदीक के बाजार में गए होंगे, तो बताएँ–

- किस दिन गए?
- किसके साथ गए?
- क्या साथ लेकर गए?
- क्या–क्या देखा?
- क्या–क्या पसंद आया?
- क्या–क्या खरीदा?
- और क्या लाना भूल गए ?

## 4- ikB l vkx &

(क) 'सुखराम ने अपने बेटे धनीराम को अनाज लेने मंडी भेजा।' यदि आपको भी नीचे दिए गए काम करने को कहा जाए तो आप कहाँ जाएँगे ?

- पत्र डालने – ————————————
- दवाई लाने – ————————————
- पैसे जमा करवाने – ————————————
- बिजली का बिल भरने – ————————————
- राशन लाने – ————————————
- सब्ज़ी खरीदने – ————————————
- पढ़ने – ————————————
- खेलने – ————————————
- घूमने – ————————————

## 5- Hkk"kk dh ckr &

(क) 'धीरे–धीरे दोपहर हो गई।' इस वाक्य में दो पहरों का समूह के लिए 'दोपहर' शब्द का प्रयोग किया गया है। बताइए, नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए किस शब्द का प्रयोग होगा ?

A1BKWR

| त्रिभुज | चौमासा | दशक | पंचवटी | सप्ताह | नवरात्र |
|---|---|---|---|---|---|

- चार राहों का समूह – चौराहा
- दस वर्षों का समूह – ——————————
- चार मासों का समूह – ——————————
- पाँच वट वृक्षों का समूह – ——————————
- सात दिनों का समूह – ——————————
- तीन भुजाओं का समूह – ——————————
- नौ रातों का समूह – ——————————

(ख) फूलपुर गाँव में सुखराम नाम का व्यापारी रहता था। इस वाक्य में बीते हुए समय में कार्य के संपन्न होने का बोध होता है। अतः यह भूतकाल है।
पाठ में आए भूतकाल से संबंधित कोई 5 वाक्य छाँटकर लिखें–

| | Hkwrdky |
|---|---|
| 1. | |
| 2. | |
| 3. | |
| 4. | |
| 5. | |

(ग) 'धीरे–धीरे दोपहर हो गई।'
इस वाक्य में 'धीरे' शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है। ऐसे शब्दों को युग्म कहते हैं। दिए गए युग्म शब्दों से वाक्य बनाकर लिखें–

| | |
|---|---|
| कब–कब | तुम कब–कब खेलते हो ? |
| जल्दी–जल्दी | ______________________________ |
| चलते–चलते | ______________________________ |
| साथ–साथ | ______________________________ |
| कभी–कभी | ______________________________ |
| बैठे–बैठे | ______________________________ |

(घ) इन्हें क्या कहते हैं ?

- जहाँ घोड़े को बाँधा जाता है ।

  ____________________________

- जो घोड़े पर सवारी करता है।

  ____________________________

(ङ) 'लाल बुझक्कड़ आगे बढ़ गए।'
इस वाक्य में बुझक्कड़ शब्द बूझ + अक्कड़ (प्रत्यय) के जोड़ से बना है। कुछ प्रत्यय जोड़कर आप भी नए शब्द बनाएँ –

| | |
|---|---|
| भूल + अक्कड़ | ________________ |
| घूम + अक्कड़ | ________________ |
| समझ + दार | ________________ |
| तमीज + दार | ________________ |
| धार + दार | ________________ |
| धन + वान | ________________ |
| गाड़ी+ वान | ________________ |
| दया + वान | ________________ |

ikB

# 10 मोबाइल का बोलबाला

A1KGYE

(बहुत दिनों से ड्राइंग रूम के कोने पर पड़ा–पड़ा टेलीफोन बोर हो रहा है। आज वह बहुत उदास है। अब उसे कोई नहीं पूछता। ना ही उससे कोई फोन करता है। तभी मि. शर्मा ने आकर अपना मोबाइल उसी टेलीफोन के पास रख दिया।)

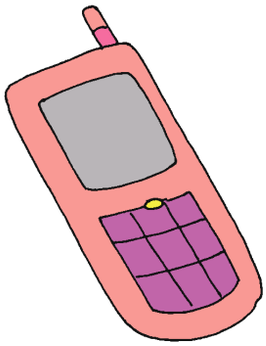

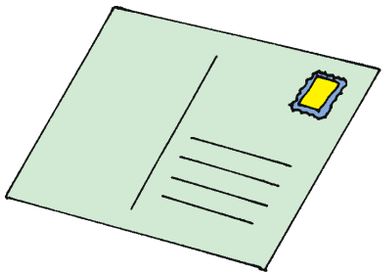

VyhQku : (मन ही मन में) दिखने में चूहे जैसा। ना मूँछ, ना पूँछ, फिर भी इसकी इतनी पूछ? चल दूर हट, मुझसे। आकर बैठ गया मेरे पास। तेरी औकात ही क्या है, मेरे सामने?

Ekkckby : (चौंककर देखते हुए) क्या हुआ भाई? मैंने तो तुम्हें कुछ कहा भी नहीं। तुम गुस्सा क्यों हो रहे हो? मुझसे कोई गलती हो गई क्या? मैं माफी चाहता हूँ।

VyhQku : गुस्सा ना करूँ तो क्या करूँ? पता है, जब से तुम आए हो, हमारी कोई पूछ नहीं रही। सब तुम्हें अपनी छाती से लगाए घूमते हैं। हर समय तुम्हें अपने पास रखते हैं। एक क्षण के लिए भी तुम्हारी जुदाई नहीं सहन कर सकते।

Ekkckby : टेलीफोन भैया! ये तो बताओ, इसमें मेरा क्या कसूर है? बताओ, मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ? तुम जो कहोगे, मैं करूँगा।

VyhQku : तुम क्या करोगे? अब तो तुम्हारे नए–नए रूप बाज़ार में आ रहे हैं। चारों ओर तुम्हारी ही धूम मची हुई है। देख नहीं रहे, मेरा हाल? मेरे सुंदर से मुखड़े पर धूल जमी पड़ी है। अब मुझे कोई साफ भी नहीं करता।

Ekkckby : भाई, नाराज़ मत होइए। तुम तो मेरे बड़े भाई हो। कभी न कभी तो तुम्हें बूढ़ा होना ही था। इसमें गुस्सा होने की क्या बात है ? एक ना एक दिन तो यह होना ही था।

VyhQku : अपनी ही आवाज़ सुने मुझे महीनों बीत जाते हैं। पहले तो मेरी मालकिन मेरी इतनी सेवा करती थी। क्या मजाल कि थोड़ी–सी भी मिट्टी मेरे सलोने मुख पर गिर जाए। मैं दिनभर गुनगुनाता रहता था, मधुर और मीठी आवाज में।

ekckby : बात तुम्हारी बिलकुल सच है, पर तुम्हारे विचार आज के ज़माने से मेल नहीं खाते। अब तुम वक्त के साथ चलना सीखो।

VyhQku : अच्छा बच्चू, आज तुम मुझे उपदेश दे रहे हो। कोई बात नहीं, तुम्हारे साथ भी कभी इसी तरह का व्यवहार होगा तब पता चलेगा। याद रखना, समय सदा एक–सा नहीं रहता।

fpÎh : (पर्दे के पीछे से) मेरे प्यारे दोस्त, तुमने सच कहा, समय सदा एक समान नहीं रहता। (एक मीठी व प्यारी सुरीली–सी आवाज़ सुनकर दोनों चौंक उठे और अपने चारों ओर देखने लगे।)

nkuk ,d lkFk : अरे, यह आवाज तो दादी के बक्से में से आ रही है। (दोनों बक्सा खोलते हैं तो वहाँ पर पड़ी बहुत पुरानी चिट्ठी को देखकर चौंक जाते हैं)

fpÎh : मेरे प्यारे, ट्रिंग–ट्रिंग, जो स्थिति आज तुम्हारी है उसे मैंने भी भुगता है। (अफसोस करते हुए)

VtyhQku : वह कैसे?

fpëh : हाय, क्या दिन थे? जब मेरे अंदर गुलाब की पत्तियाँ रखकर अपने प्रियजन को भेजते थे। बार–बार मुझे खोलकर पढ़ा जाता था। यदि मुझे पहुँचने में कुछ देरी हो जाती थी, तो लोगों की बेचैनी बढ़ जाती थी पर तुम जब से आए हो लोग लिखना ही भूल गए। सब तुम पर ही गिटर–पिटर करने लगे हैं।

ekckby (दिलासा देते हुए) चिट्ठी बहन, निराश मत हो। ये तो समय का हेर–फेर है। सभी के दिन फिरते रहते हैं।

fpëh : यही तो मैं कहती हूँ भैया, तुम्हारे आने पर टेलीफोन भाई को दुख नहीं मनाना चाहिए। बल्कि खुशी–खुशी आपका स्वागत करना चाहिए। दुनिया में बदलाव होते रहते हैं पता नहीं, कल क्या नई खोज हो जाए और तुम्हारा भी हमारे जैसा हाल हो जाए।

ekckby : तुम सच कह रही हो। अब जो नए मोबाइल आ रहे हैं उसमें बात करने वाले व सुनने वाले एक–दूसरे को देख भी सकते हैं।

fpëh : (मुस्कुराते हुए) इसलिए मैं तो यही कहती हूँ जो मिल जाए, जितना मिल जाए, उसी में खुश रहना सीखो।

*(मोबाइल और चिट्ठी की बातें सुनकर, टेलीफोन ने अपनी स्थिति को समझा और मुस्कुराकर दोनों को गले लगा लिया)*

जैसे ही गले मिले तो मोबाइल पर रिंग टोन बज उठी–

''ज़िंदगी इक सफर है सुहाना,

यहाँ कल क्या हो, किसने जाना?''

तीनों संगीत का आनंद लेने लगे।

*–सुरेखा शर्मा*

# अभ्यास

A1UD12

## 1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku &

- कसूर – गलती
- दिलासा – तसल्ली
- नाराज़ – गुस्सा
- बेचैनी – घबराहट
- वक्त – समय
- सलोने – सुंदर
- क्षण – पल
- सफर – यात्रा
- सुहाना – अच्छा लगना

## 2- ikB l &

(क) किसने, किसके बारे में कहा –

- ना मूँछ, ना पूँछ फिर भी इसकी इतनी पूछ।
  ______________________________________________

- तुम जब से आए हो लोग लिखना ही भूल गए हैं।
  ______________________________________________

(ख) चिट्ठी और टेलीफोन की दशा एक जैसी क्यों है?

______________________________________________

(ग) मोबाइल हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है ?

______________________________________________

______________________________________________

(घ) आजकल के मोबाइल फोन में कौन–कौन सी सुविधाएँ होती हैं, लिखें?

_____

_____

## 3- vkidh ckr &

(क) टेलीफोन, मोबाइल और चिट्ठी में से आपकी पसंद कौन–सी है और क्यों ?

(ख) टेलीफोन, मोबाइल या चिट्ठी में से आपके घर में किसका प्रयोग सबसे अधिक होता है। और क्यों ?

## 4- ikB l vkx &

(क) इस पाठ में आपने मोबाइल, टेलीफोन और चिट्ठी की बातचीत को पढ़ा है। रबड़–पेंसिल, कॉपी–पेन, मेज–कुर्सी आपस में क्या बात करते होंगे, अपनी कल्पना से बताएँ।

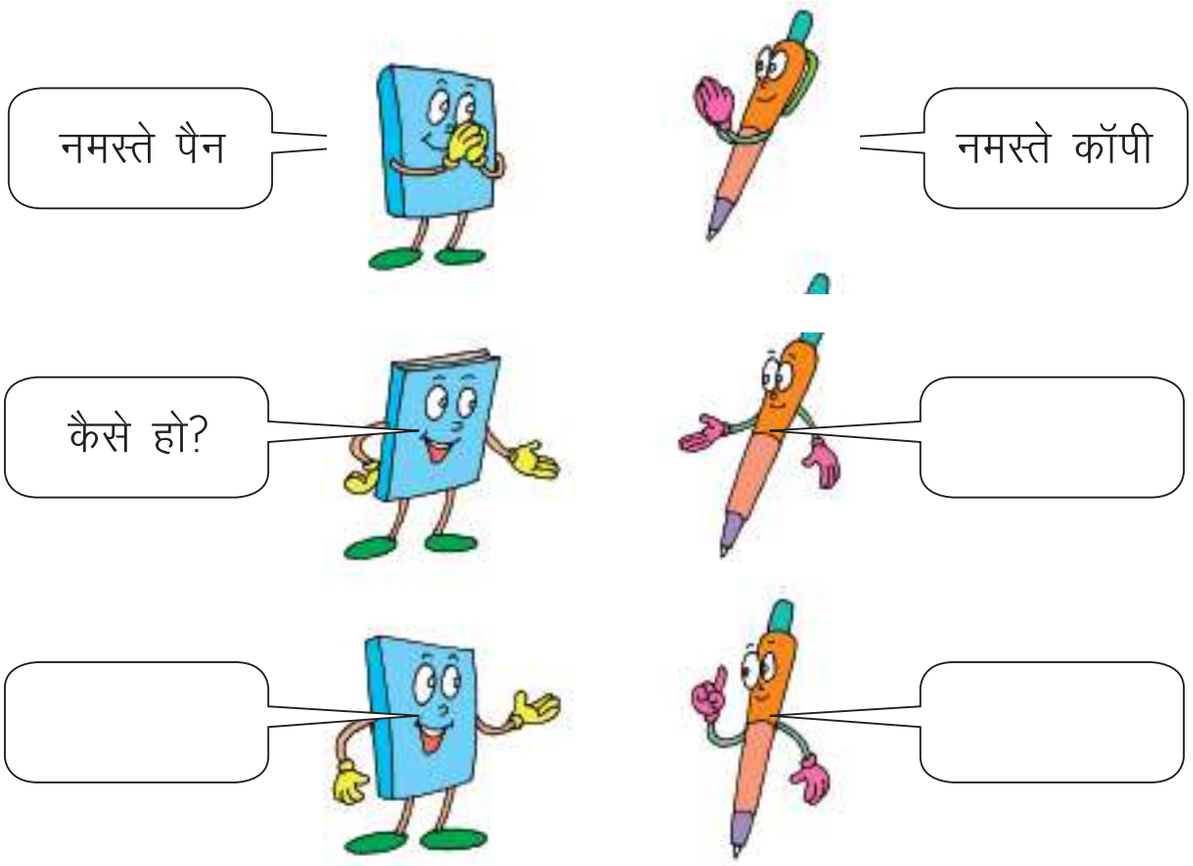

(ख) आजकल के मोबाइल फोन में कौन–कौन सी सुविधाएँ होती हैं, पता लगाएँ ?

(ग) आपने पढ़ा है कि समय के साथ–साथ नई–नई चीजों की खोज होती रहती है और लोग पुरानी चीजों का उपयोग कम कर देते हैं। अपने घर के बड़े बुज़ुर्गों से पता करके ऐसी चीज़ों की सूची बनाएँ, जिन्हें आजकल प्रयोग में नहीं लाया जाता या जिनका उपयोग कम हो गया है। उनका स्थान लेने वाली वस्तुओं के नाम भी लिखें।

| Øe l[;k | ijkuh pht | ubh pht |
|---|---|---|
| 1. | काला सफ़ेद टी॰ वी॰ | रंगीन टी॰ वी॰ |
| 2. | | |
| 3. | | |
| 4. | | |
| 5. | | |

(घ) शिक्षक की सहायता से कक्षा में इस पाठ को अभिनय द्वारा प्रस्तुत करें ।

## 5- Hkk"kk dh ckr &

(क) fnu का उलटा jkr तथा l[k का उलटा n[k होता है। पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के उलटे अर्थ वाले (विलोम) शब्द लिखें –

बहुत – _____

उदास – _____

साफ – _____

बूढ़ा – _____

दोस्त – _____

कल – _____

(ख) पढ़ें, समझें और लिखें –

पाठ में हेर–फेर, गिटर–पिटर आदि शब्दों के जोड़े आए हैं। ऐसे ही जोड़े वाले कुछ और शब्द लिखें –

- कूड़ा –कचरा
- ————————————
- ————————————
- ————————————
- ————————————
- ————————————
- ————————————

6- उपयुक्त शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरें –

| सुंदर, | औकात, | समय, | सफर, | धूल, | समान, | मेरे, | कल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|

(क) तेरी ———————— ही क्या है, ———————— सामने ?

(ख) मेरे ———————— से मुखड़े पर ———————— जमी है ।

(ग) तुमने सच कहा ———————— सदा एक ———————— नहीं रहता।

(घ) ज़िंदगी इक ———————— है सुहाना यहाँ ———————— क्या हो, किसने जाना?

# x# ukud ¼dN vkj i<½

गुरु नानक का जन्म पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता का नाम कालू राम मेहता और माँ का नाम तृप्ता था।

बचपन से ही नानक शांत स्वभाव के थे। जब दूसरे बालक उछलते–कूदते, नानक किसी कोने में बैठकर सोचते रहते।

उनका मन सांसारिक कार्यों में नहीं लगता था।

एक बार मेहता जी ने कुछ रुपये देकर नानक को व्यापार करने भेजा। नानक ने वह धन भूखे लोगों को भोजन खिलाने में खर्च कर दिया। उनके पिता को बहुत दुख हुआ। जब वह नाराज हुए तब नानक ने भोलेपन से उत्तर दिया– बाबू जी, भूखे लोगों के लिए भोजन खरीदने पर मैंने धन खर्च किया है। इससे बढ़िया सौदा और क्या हो सकता है ? इतने छोटे से बालक के मुँह से गहन ज्ञान की बातें सुनकर लोग चकित रह गए।

एक बार गुरुजी अपने शिष्यों के साथ एक गाँव में पहुँचे। उस गाँव के लोगों का व्यवहार अच्छा नहीं था। वहाँ से चलते समय गुरुजी ने कहा, बसे रहो, चलते–चलते अगले गाँव पहुँचे, जहाँ लोगों ने उनका बहुत आदर सत्कार किया। यहाँ के लोगों में बहुत सेवा–भाव था। वहाँ से विदा लेते हुए गुरुजी ने कहा, भगवान से मेरी विनती है कि यह गाँव उजड़ जाए। ये सब देखकर मरदाना से कुछ कहे बिना रहा नहीं गया। उसने पूछा–गुरु महाराज, आपके ढंग बड़े निराले हैं। जिस गाँव के लोगों ने आपकी बहुत सेवा की, आपने उनके उजड़ जाने की कामना की। जिस गाँव वालों ने आपके साथ बुरा बर्ताव किया उनको आपने बसे रहने का आशीर्वाद दिया। मेरी समझ में तो कुछ नहीं आता।

गुरुजी ने मुस्कुराकर कहा– प्यारे शिष्य, जो लोग अच्छे होते हैं, दूसरों की सेवा करते हैं, उन्हें जगह–जगह फैल जाना चाहिए। ऐसे लोग चारों ओर सुख और आनंद फैलाएँगे। स्वार्थी और दूसरों का अनादर करने वाले लोग एक ही स्थान पर रहने चाहिए ताकि उनका प्रभाव दूसरे लोगों पर न पड़े।

गुरुजी का उत्तर सुनकर मरदाना प्रसन्न हुआ। आज उसने जाना कि गुरु के कथन में कितना ज्ञान और सत्य होता है। उसका मन श्रद्धा से भर उठा।

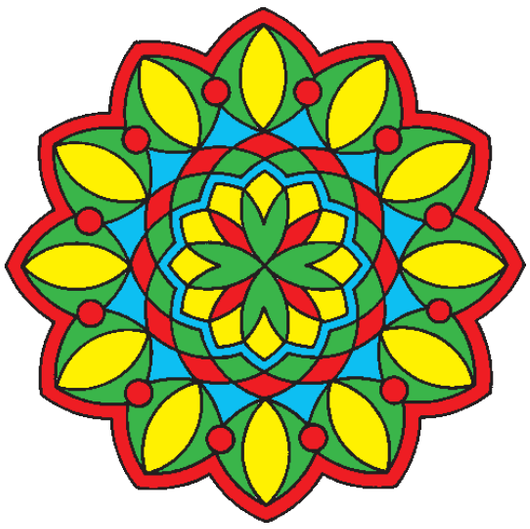

ikB

# 11 रहीम के दोहे (दोहा सप्तक)

AD8LGL

1. रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।
टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठ पड़ि जाय।।

2. जे गरीब सो हित करै, धनी रहीम वे लोग।
कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग।।

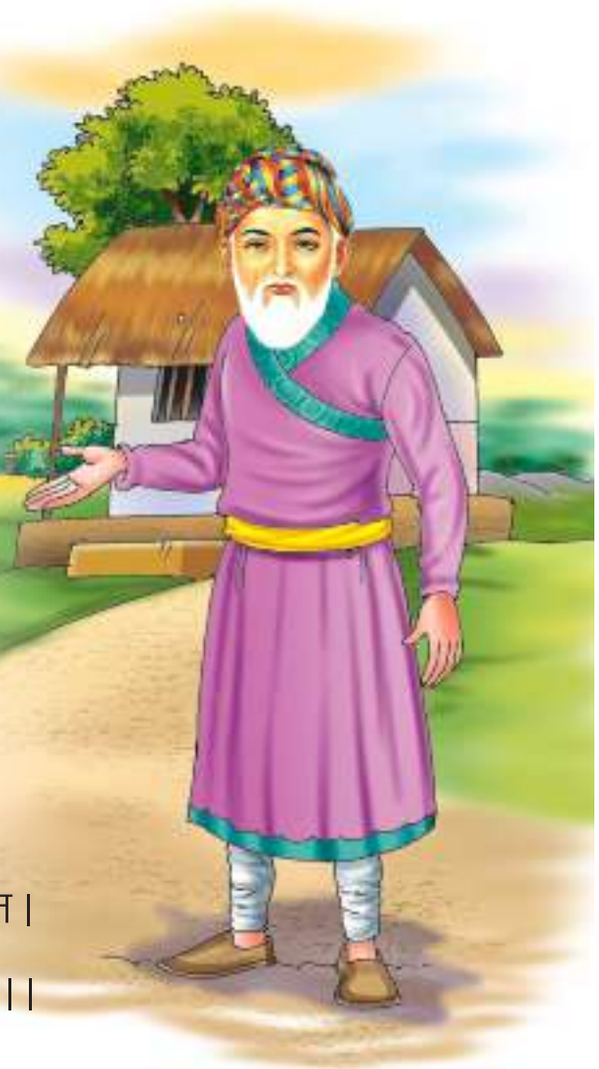

3. रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजै डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि।।

4. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहुँ सीतल होय।।

5. वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।
बाँटनवारे को लगै, ज्यौं मेहंदी के रंग।।

6. तरुवर फल नहीं खात हैं, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति संचहि सुजान।।

7. दोनों रहिमन एक से, जब लौं बोलत नाहिं।
जान परत हैं काक–पिक, रितु बसंत के माहिं।।

# अभ्यास

ADHHI9

## 1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa &

- हित – भलाई
- मिताई – मित्रता/दोस्ती
- डारि – डाल देना
- सीतल – ठंडा
- उपकारी – उपकार करने वाला
- तरुवर – पेड़
- पियहिं – पीते हैं
- परकाज – दूसरों के काम (हित)
- संपति – धन–दौलत
- सुजान – सज्जन
- पिक – कोयल
- बाँटनवारे – बाँटने वाले
- सरवर – तालाब

## 2- dfork ls &

(क) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए ?

_______________________________________________

_______________________________________________

(ख) वृक्ष और सरोवर से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

_______________________________________________

_______________________________________________

(ग) दोहे में कृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

(घ) कौए और कोयल में अंतर कैसे कर सकते हैं ?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

(ङ) दोहों की पंक्तियों को पूर्ण करें –

- कहि रहीम परकाज हित ——————————।
- बाँटनवारे को लगे ——————————।
- टूटे से फिर ना जुरे ——————————।

## 3- vkidh ckr &

(क) आप जरूरतमंदों की सहायता किस प्रकार करते हैं?

(ख) कोयल और कौवे में से आप किस को पसंद करते हैं और क्यों ?

(ग) आपको कौन–सा मौसम पसंद है ? दो कारण बताएँ।

## 4- Hkk"kk dh ckr &

(क) दिए गए शब्द ठीक नहीं लिखे गए हैं, इन्हें शुद्ध करके लिखें –

| | | | |
|---|---|---|---|
| परेम | —————— | सम्पति | —————— |
| किरशन | —————— | आशीरवाद | —————— |
| उल्टा | —————— | धन्न | —————— |
| परविरती | —————— | विधालय | —————— |

(ख) पढ़ें, समझें और लिखें –

सोहन कैरम खेलता है।

कविता कैरम खेलती है।

- राजा लड्डू —————— है।

- ———————— लड्डू खाती है।
- छात्र पुस्तक ———————— है।
- ———————— पुस्तक पढ़ती है।
- भाई गाना ———————— है।
- ———————— गाना गाती है ।

(ग) नीचे ऐसे शब्दों के जोड़े दिए गए हैं। जिनके उच्चारण में कुछ अंतर है। उनके अर्थ भी अलग–अलग हैं इनका सही उच्चारण करें और वाक्य बनाएँ।

बेरी ————————————————————————————

बैरी ————————————————————————————

बेल ————————————————————————————

बैल ————————————————————————————

मेला ————————————————————————————

मैला ————————————————————————————

सेर ————————————————————————————

सैर ————————————————————————————

मेल ————————————————————————————

मैल ————————————————————————————

में ————————————————————————————

मैं ————————————————————————————

(घ) रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजै डारि।
जहाँ काम आवै सुइ, कहा करै तलवारि।।

उपर्युक्त दोहे को ध्यानपूर्वक पढ़ें व समझें। इसमें अल्पविराम व पूर्णविराम चिह्नों का प्रयोग हुआ है। निम्नलिखित दोहों में विराम चिह्न लगाएँ–

- ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोय
  औरन को सीतल करै आपहुँ सीतल होय
- तरुवर फल नहीं खात हैं सरवर पियहिं न पान
  कहि रहीम परकाज हित संपति संचहि सुजान

## vkiu fdruk lh[kk

1- lgh 'kCn fn, x, ckDl e fy[k&

- देशभक्त देशभगत _____
- बुझकड बुझक्कड़ _____
- चिट्ठी चिट्ठी _____
- बसंत बंसत _____

2- ifDr;k ijh dj&

- भगतसिंह, सुखदेव दहकते
  _____
- ये पटेल जिनकी गर्मी से
  _____

3- budk ijk uke fy[k&

- पटेल _____
- तिलक _____

4- fn, x, ;Xe 'kCnk l okD; cukdj fy[k&

- कभी–कभी _____
- चलते–चलते _____

5- *oku* vkj *nkj* iR;; l nk&nk 'kCn cuk,&

- _____ + वान _____
- _____ + वान _____

- ________ + दार ________________
- ________ + दार ________________

6- fn, x, ‘kCnk l okD; cuk,&

- मेल ________________________________________
- मैल ________________________________________
- बेल ________________________________________
- बैल ________________________________________

7- fuEufyf[kr nkg dk ljy vFk fy[k&

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।

बाँटनवारे को लगै, ज्यौं मेहंदी के रंग

________________________________________

________________________________________

________________________________________

8- fuEufyf[kr i’uk d mÙkj fy[k&

- किन्हीं चार देशभक्तों के नाम लिखें।

________________ ________________

________________ ________________

- धनीराम पैदल क्यों चलने लगा?

________________________________________

- मोबाइल के कोई दो उपयोग लिखें?

________________ ________________

- कौए और कोयल में क्या अंतर है?

________________________________________

ikB

# 12 तोको का देश

AE19LJ

एक देश ऐसा है, जिसे सूर्योदय का देश कहा जाता है। उस देश का नाम है–जापान। पूर्व दिशा में उगते हुए सूर्य के दर्शन सबसे पहले जापान में होते हैं, इसलिए इसका नाम सूर्योदय का देश पड़ा।

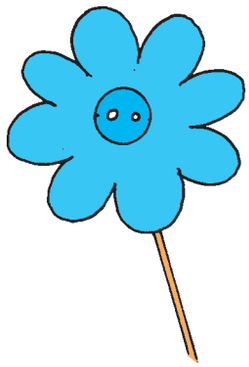

जापान बहुत से द्वीपों से मिलकर बना है। यह चारों ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। इसी देश में एक नन्ही सी बालिका रहती है, जिसका नाम है 'तोको'। तोको के परिवार में उसके माता–पिता तथा उसका एक छोटा भाई है। छोटे भाई का नाम है – शेनाली।

तोको का घर लकड़ी और कागज से बना है। वास्तव में कागज एक मोटे गत्ते जैसा होता है। इससे दीवारें बनाई जाती है। वहाँ हमारे घरों की भाँति ईंट–पत्थर और सीमेंट के घर नहीं होते। तोको ने बताया कि जापान में भूकंप बहुत आते हैं, इसलिए लकड़ी और कागज के घर होने पर अधिक नुकसान नहीं होता। उन्हें आसानी से इधर–उधर भी खिसका सकते हैं। तोको का घर बहुत साफ–सुथरा है। जापान के लोग अपने घरों को चित्रकारी और तरह–तरह के फूलों से सजाते हैं। वैसे ही, जैसे हमारे यहाँ कई लोग अपने कच्चे घरों की दीवारों को चाक और गेरू से चित्र बनाकर सजाते हैं।

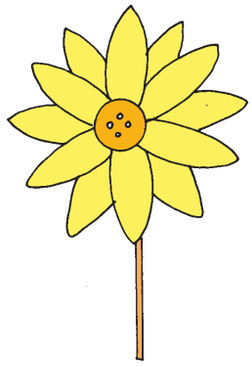

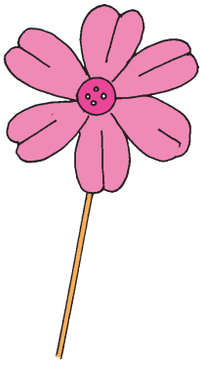

तोको के देश में चावल और मछली का भोजन अधिक पसंद किया जाता है। चावल खाने के लिए वे चम्मच के स्थान पर चापस्टिक व तीलियों का प्रयोग करते हैं। इनसे चावल इतनी सावधानी से खाते हैं कि एक दाना भी इधर–उधर नहीं गिरता।

चावल के साथ–साथ सब्जियाँ और फल भी बड़े चाव से खाते हैं। हरी चाय और कॉफी भी बड़े शौक से पी जाती है।

जापान फूलों व त्योहारों का देश है। यहाँ फूलों के खिलने पर त्योहार मनाए जाते हैं। चेरी के वृक्षों पर जब सुंदर फूल खिलते हैं? तो 'चेरी उत्सव' मनाया जाता है। वैसे ही, जैसे–हमारे देश में सरसों के फूल खिलने पर 'बसंतोत्सव' मनाया जाता है।

हमारे देश की तरह ही तोको के देश में भी हर मास कोई न कोई त्योहार अवश्य आता है। नववर्ष पर तोको और उसका भाई अपने माता–पिता के साथ बाजार जाते हैं और घर को सजाने के लिए बहुत सारा सामान लेकर आते हैं। एक सप्ताह पहले ही नववर्ष की चहल–पहल शुरू हो जाती है। यह कुछ हमारे यहाँ की दीवाली जैसा ही होता है।

'गुड़ियों का त्योहार' यहाँ का एक विशेष त्योहार है जो मुख्यतः लड़कियों के लिए होता है। लड़कियाँ अपनी–अपनी गुड़िया को रंग–बिरंगी पोशाकों से सजाकर प्रतियोगिता के लिए ले जाती हैं। जिसकी गुड़िया सबसे सुंदर सजी होती है, उसे पुरस्कार दिया जाता है और प्रदर्शनी में रखा जाता है। तोको अपनी गुड़िया को सजाने के लिए अपनी माँ की सहायता लेती है।

तोको को जापानी होने पर गर्व है। जापान के लोग परिश्रमी और ईमानदार होते हैं। वहाँ के व्यक्ति किसी–न–किसी काम में लगे रहते हैं। विश्व में जापानी चीजों की माँग अधिक है, क्योंकि यह माना जाता है कि जापान में बनी हुई चीजें अच्छी होती हैं। यही कारण है कि तोको का देश समृद्ध देशों में गिना जाता है। हमारे देश भारत की तरह ही जापान भी एशिया महाद्वीप में स्थित है।

# अभ्यास

AEA5N7

## 1- vkb,] ‘kCnksa dk vFkZ tkusa &

- सूर्योदय — सूर्य का उगना
- दर्शन — देखना
- द्वीप — चारों ओर समुद्र से घिरा धरती का टुकड़ा
- पेयपदार्थ — पीने योग्य पदार्थ
- श्रमिक — मजदूर
- समृद्ध — धनी
- चहल–पहल — हलचल
- शौक — रुचि
- चापस्टिक — खाना खाने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली एक प्रकार की डंडी
- प्रतियोगिता — मुकाबला

## 2- ikB ls &

(क) तोको के देश का नाम बताते हुए उसकी एक विशेषता लिखें ?

____________________________________________

(ख) जापानी लोगों को भोजन में क्या–क्या पसंद है ?

____________________________________________

____________________________________________

(ग) चेरी उत्सव कब मनाया जाता है ?

____________________________________________

____________________________________________

(घ) गुड़ियों का त्योहार कैसे मनाया जाता है ?

____________________________________________

____________________________________________

(ङ) जापान के घर तथा हमारे यहाँ के घरों की बनावट में क्या–क्या अंतर है ?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

(च) जापान देश के त्योहार और हमारे देश के त्योहारों में क्या समानता है ?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

## 3- vkidh ckr &

(क) आपको भोजन में कौन–कौन से व्यंजन पसंद हैं ?

(ख) तोको को अपने जापानी होने पर बड़ा गर्व है क्या आपको भी अपने भारतीय होने पर गर्व है, यदि हाँ, तो क्यों ?

(ग) भारत में मनाए जाने वाले पर्वों व त्योहारों में से आपका सबसे प्रिय त्योहार कौन सा है? उसके बारे में बताएँ –

## 4- i<] le> vkj fy[k &

(क) खाली स्थान भरें –

| | | | |
|---|---|---|---|
| शेनाली | जापान | परिश्रमी | टोकियो |

- —————————— को सूर्योदय का देश कहा जाता है।
- तोको के भाई का नाम —————————— है।
- तोको के देश के लोग बड़े ही —————————— है।
- —————————— संसार के प्रमुख नगरों में से एक है।

(ख) हाँ, नहीं में उत्तर दें–

- जापान द्वीपों का देश है। (हाँ/ नहीं )
- जापान में घर ईंट और पत्थरों से बने होते हैं। (हाँ/ नहीं )
- जापानी लोगों का पसंदीदा पेय हरी चाय और कॉफी है। (हाँ/ नहीं )
- तोको का देश फूलों व त्योहारों का देश है। (हाँ/ नहीं )

(ग) वर्ग पहेली में से भारत देश में मनाए जाने वाले त्योहारों को छाँटकर लिखें –

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| र | द | सं | दी | ब |
| बै | श | क्रां | पा | स |
| सा | ह | ति | व | न्त |
| खी | रा | हो | ली | ग |
| र | क्षा | बं | ध | न |
| ई | ती | क | च | गौ |
| द | ज | प | म | र |

_____
_____
_____
_____
_____
_____

## 5- Hkk"kk dh ckr &

AEJ1PU

(क) श्रम शब्द में परि उपसर्ग लगाकर 'परिश्रम' शब्द बना, निम्नलिखित उपसर्ग लगाकर दो–दो शब्द बनाएँ

वि _____ _____

परि _____ _____

सु _____ _____

उप _____ _____

(ख) समान अर्थ वाले शब्द लिखें –

| | | |
|---|---|---|
| माता | माँ | अम्मा |
| पिता | _____ | _____ |
| भाई | _____ | _____ |
| बहन | _____ | _____ |
| सूर्य | _____ | _____ |
| फूल | _____ | _____ |

ikB

# 13 बाँसुरी वाला

AESWRH

अम्माँ मुझे बाँसुरी ले दो,
मैं भी उसे बजाऊँगा।
ग्वाले का कुछ काम नहीं है,
मैं ही गाय चराऊँगा।
यों ही कुछ दिन करते–करते,
ज्यों ही कुछ बढ़ पाऊँगा।
बैठ किसी रथ पर गोकुल से,
मैं भी मथुरा जाऊँगा।
जो लड़ने आएँगे कुश्ती,
मैं तो उन्हें हरा दूँगा।
मार कंस मामा को असुरों को,
भी खूब डरा दूँगा।
मामा बुरे न होंगे तो मैं,
उनसे मिलने जाऊँगा।
और जरूरत समझी तो कुछ,
गीता उन्हें पढ़ाऊँगा।
चीर द्रौपदी का खींचा था,
दुःशासन था अभिमानी।
इस पर कौरव पांडव ने की,

जब लड़ने की तैयारी।
बने सारथी अर्जुन के रथ,
पर थे गोवर्धनधारी।
देख सामने रिश्तेदारों,
को जब अर्जुन घबराए।
बोले मैं न इन्हें मारूँगा,
राज्य मिले या मिट जाए।
काम बिगड़ता देख कृष्ण ने,
गीता उन्हें सुनाई थी।

*—सुभद्रा कुमारी चौहान*

## अभ्यास

### 1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku &

- गोवर्धनधारी – गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले (कृष्ण)
- ग्वाला – गाय चराने वाला
- चीर – वस्त्र
- अभिमानी – घमंडी, अहंकारी
- सारथी – रथ हाँकने वाला
- हर्ज – बाधा/हानि

AF2ST5

### 2- dfork l &

(क) बालक माँ से क्या लेने की जिद करता है?

____________________________________________

(ख) बच्चा मथुरा जाकर किनको हराने की बात कर रहा है तथा क्यों?

____________________________________________

(ग) बालक ने किसको गीता पढ़ाने की बात की है?

____________________________________________

(ङ) कृष्ण ने गीता का उपदेश किसे और क्यों दिया था?

____________________________________________

### 3- vki dh ckr &

- कविता में बालक ने मामा से मिलने जाने की बात कही है। आप अपने मामा के घर कब–कब जाते हैं और वहाँ जाने पर आपको क्या–क्या अच्छा लगता है?

### 4- dfork l vkx &

(क) कृष्ण के माता–पिता का क्या नाम था ? उसका पालन–पोषण किनके द्वारा किया गया ?

(ख) कृष्ण को अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे–

| | |
|---|---|
| केशव | मुरारी |
| गोवर्धनधारी | माखनचोर |
| नंदकिशोर | गोपाल |

(ग) कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश कहाँ दिया था, पता करें।

## 5- Hkk"kk dh ckr &

AFBNUS

(क) फूल–सा कोमल तथा यशोदा–सी माँ वाक्यांशों में फूल और यशोदा के विशेष गुण को बताया गया है। नीचे दिए गए नामों के सामने उनके विशेष गुण को लिखें –

लक्ष्मण–सा ——————————————————

पर्वत–सा ——————————————————

गंगा–सा ——————————————————

दूध–सा ——————————————————

(ख) गोवर्धनधारी का अर्थ है – गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाला कुछ अन्य शब्दों के साथ धारी शब्द जोड़ कर उनका अर्थ भी लिखें –

| शब्द | | अर्थ |
|---|---|---|
| माला + धारी | = | —————————————— |
| —————————————— | = | —————————————— |
| —————————————— | = | —————————————— |

(ग) मोर को मयूर, नीलकंठ, सारंग भी कहा जाता है। इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों के अन्य नाम लिखें –

1. दिन = —————————— ——————————
2. चीर = —————————— ——————————
3. गाय = —————————— ——————————

4. रात्रि = ———————— ————————

5. माँ = ———————— ————————

## 6- lu vkj cky &

(क)

| | |
|---|---|
| मैं | गैया |
| जैसे | मैया |
| कैसे | नैया |
| तैयारी | गवैया |
| थैला | चिरैया |
| कैथल | खिवैया |

('य' से पहले लगी 'ऐ' की मात्रा का उच्चारण 'अइ' हो जाता है)

(ख) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। दिए गए शब्दों के दो–दो अर्थ लिखें–

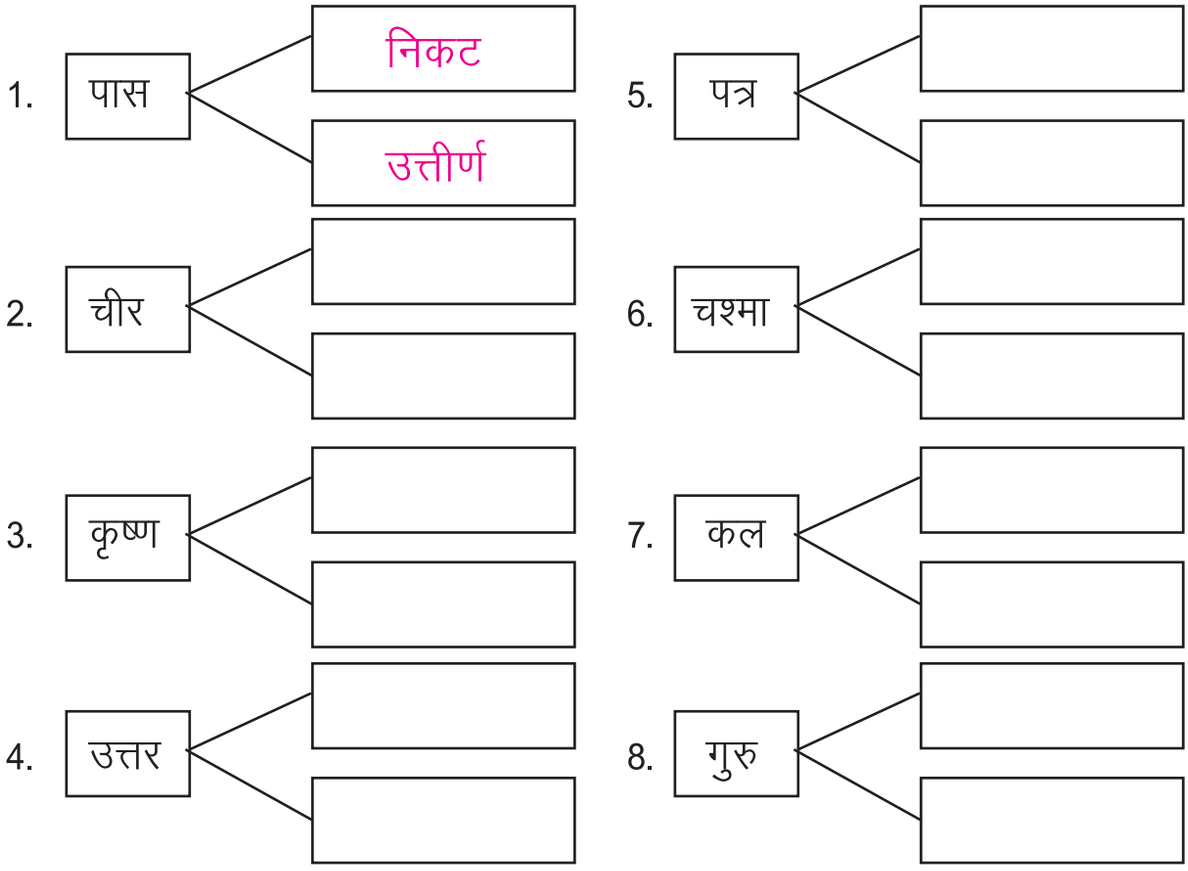

ikB

# 14 जादू का दीपक

AFKJWF

अलादीन और उसकी माँ बहुत निर्धन थे। उनका निर्वाह कठिनाई से होता था। किसी दिन तो उनके पास खाने के लिए कुछ भी नहीं रहता था।

एक बार ऐसा हुआ कि अलादीन दिनभर काम ढूँढ़ता रहा, परंतु उसे कोई काम न मिला। संध्या को थका–हरा वह घर पहुँचा, तो माँ ने बताया कि घर में अब चावल–दाल थोड़ा ही बचा है। दोनों को चिंता थी कि यदि कल भी काम न मिला, तो निर्वाह किस प्रकार होगा ? तभी दरवाज़ा खटखटाने की आवाज़ आई। दोनों चौंक पड़े – कहीं कोई अतिथि न हो।

अलादीन ने दरवाज़ा खोला तो सामने एक वृद्ध व्यक्ति को खड़े पाया। वृद्ध ने पूछा, ''क्या मुस्तफा दरज़ी का घर यही है ?''

अलादीन ने कहा, ''जी हाँ, आप कौन हैं ?''

''मैं तुम्हारे पिता जी का भाई हूँ। कई वर्ष पहले मैं विदेश चला गया था, अभी–अभी लौटा हूँ। तुम्हारे पिता कहाँ हैं ? ''वृद्ध ने पूछा।

अलादीन की माँ ने उत्तर दिया, ''उनकी मृत्यु हुए कई वर्ष हो गए। बस, यही एक बेटा है। घर की हालत भी बहुत खराब है।''

वृद्ध ने कहा, ''अब चिंता की कोई बात नहीं। बेटा अलादीन ! यह लो पैसे और बाज़ार से कुछ खाने को ले आओ।''

उस रात सबने भरपेट खाना खाया और सोने के लिए अपने–अपने बिस्तर पर चले गए। सोने से पहले परस्पर बातचीत करते हुए मुस्तफा के भाई ने बताया कि मैं खूब धन कमाकर लाया हूँ और अब आपके साथ ही रहूँगा। हाँ, कल प्रातः अलादीन को किसी काम से बाहर ले जाऊँगा। हम लोग संध्या होने से पहले लौट आएँगे।

वास्तव में वह मुस्तफा का भाई न था, एक जादूगर था। प्रातः होने पर वह अलादीन को लेकर शहर के बाहर जंगल में पहुँचा । वहाँ एक गुफा थी जिसका मुँह एक भारी पत्थर से बंद था। दोनों ने मिलकर पत्थर को हटाया। वृद्ध ने भीतर एक रास्ता दिखाते हुए कहा, ''तुम नीचे उतरकर सीधे अंदर चले जाओ। वहाँ एक दीपक पड़ा होगा, उसे उठा लाना।''

अलादीन गुफा के भीतर चला गया। भीतर एक कोठरी थी, जिसमें घुसते ही उसकी आँखे चौंधिया गईं। वह आश्यर्यचकित हो इधर–उधर देखने लगा। कोठरी हीरे, मोती और तरह–तरह के रत्नों से भरी हुई थी। अलादीन ने उनमें से कुछ रत्न उठाकर अपनी जेब में भर लिए और कुछ अपनी झोली में डाल लिए। इतने में उसे अपने चाचा की आवाज़ सुनाई दी, ''जल्दी से दीपक मुझे पकड़ा दो।''

अब अलादीन का ध्यान दीपक की ओर गया। वहीं गुफा में एक पुराना

दीपक पड़ा था, जिस पर धूल जमी हुई थी। अलादीन ने दीपक उठाया और गुफा के द्वार पर आ पहुँचा।

''चाचा जी, मेरा हाथ पकड़कर मुझे ऊपर खींच लीजिए,'' वह बोला।

''पहले दीपक मुझे पकड़ा दो,'' वृद्ध ने कहा।

अलादीन अपनी बात पर डटा रहा और जादूगर अपनी बात पर । इस तरह कुछ समय बीत गया तो जादूगर क्रोधित होकर बोला, अच्छा, तो फिर यहीं रहो। उसने गुफा के मुँह पर भारी पत्थर रख दिया और स्वयं वहाँ से चला गया। अलादीन बहुत चिल्लाया परंतु किसी ने उसकी आवाज़ न सुनी। थककर वह ज़मीन पर बैठ गया। उसके हाथ में दीपक था। किसी तरह रगड़ लग गई और एक जिन्न उसके सामने प्रकट हो गया।

अलादीन भय से काँपने लगा। ऊँची आवाज़ में जिन्न बोला, ''बोलिए मालिक, क्या आज्ञा है ?'' अलादीन ने काँपते स्वर में पूछा, ''तुम कौन हो ?''

जिन्न ने उत्तर दिया, ''मैं इस दीपक का सेवक हूँ। जिसके पास यह दीपक रहता है, वही मेरा स्वामी होता है।''

अब अलादीन की जान में जान आई। वह बोला, '' मुझे मेरे घर पहुँचा दो।''

जिन्न ने पलक झपकते ही अलादीन को उसके घर पहुँचा दिया। अलादीन ने जिन्न से कहकर एक बहुत बड़ा महल बनवाया और अपनी माँ के साथ उसमें सुख से रहने लगा।

एक दिन अलादीन ने वहाँ के बादशाह की बेटी को देखा। उसके मन में शाहज़ादी से विवाह करने की इच्छा हुई।

उसने कई बहुमूल्य रत्न देकर अपनी माँ को बादशाह के पास भेजा। बादशाह ने जब अलादीन की अपार धन–दौलत के बारे में सुना, तो अपनी बेटी का विवाह उसके साथ कर दिया। पति–पत्नी सुख से रहने लगे।

एक दिन अलादीन किसी काम से बाहर गया। उसके जाते ही गली में आवाज़ सुनाई पड़ी –''पुराने दीपकों के बदले नए दीपक ले लो।''

अलादीन की पत्नी ने सुना तो अलमारी में पड़े पुराने दीपक का ध्यान आया। उसने आवाज़ देने वाले आदमी को बुलाकर पुराना दीपक दिखाया और पूछा, ''क्या इसके बदले में कोई दीपक दे सकते हो ?''

वृद्ध ने तुरंत कहा, ''हाँ, हाँ इनमें से कोई–सा दीपक चुन लो।'' शाहज़ादी ने एक चमकता हुआ सुंदर दीपक चुना और पुराने दीपक के बदले ले लिया। वह जैसे ही पीछे मुड़ी कि सारा महल हिलने लगा और पलक झपकते ही शाहज़ादी समेत उड़ गया।

अलादीन वापस आया तो शाहज़ादी और महल को न पाकर व्याकुल हो

गया। इधर–उधर पूछने पर मालूम हुआ कि कोई दीपक बेचने वाला आया था। वह तुरंत सब कुछ समझ गया। अलादीन बहुत दिनों तक उनकी खोज में रहा। अंत में उसने बूढ़े जादूगर और शाहज़ादी का पता लगा लिया। एक रात वह भेष बदलकर महल में घुस गया। जब महल के सभी लोग सो गए तो वह शाहज़ादी के कमरे तक पहुँचा और धीरे–धीरे दरवाज़ा खटखटाने लगा। शाहज़ादी के पूछने पर उसने धीमे से अपना नाम बताया। शाहज़ादी उसे देखकर बहुत प्रसन्न हुई। उसने बताया कि बूढ़ा बहुत बीमार है, पर एक क्षण के लिए भी दीपक को नहीं छोड़ता। अलादीन ने शाहज़ादी से कहा, ''जैसे ही उसे नींद आ जाए, मुझे बुला लेना। मैं पास ही छिपा रहूँगा।''

शाहज़ादी दूसरे दिन से वृद्ध को अपने हाथ से दवा पिलाती और भोजन कराती, परंतु बूढ़ा इतना चालाक था कि दीपक को हमेशा अपने सिरहाने रखता। ज़रा–सा भी खटका होता तो वह चौंक कर उठ बैठता और दीपक को टटोलने लगता।

एक दिन शाहज़ादी ने उसे सोते देखा। उसने झट से दीपक निकालकर अलादीन को पकड़ा दिया। अलादीन ने शीघ्रता से दीपक को रगड़ा और जिन्न के प्रकट होने पर उससे कहा, ''शाहज़ादी समेत मुझे मेरे देश ले चलो।''

जिन्न उन्हें लेकर चल पड़ा। बूढ़ा जादूगर, ''पकड़ो, पकड़ो'', चिल्लाता हुआ वहीं गिर पड़ा। उधर शाहज़ादी के पिता की भी मृत्यु हो चुकी थी। उस देश का राज भी अलादीन को मिल गया। अब अलादीन और शाहज़ादी प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने लगे।

# अभ्यास

AFUFY3

## 1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku &

- आश्चर्यचकित – हैरान
- क्रोधित – गुस्से–से
- निर्धन – गरीब
- विश्राम – आराम
- व्याकुल – परेशान
- शीघ्रता – जल्दी से

## 2- dgkuh l &

(क) वृद्ध व्यक्ति कौन था ? उसने अलादीन व उसकी माँ को अपना क्या परिचय दिया ?

________________________________________________

(ख) अलादीन को जादू का दीपक कहाँ मिला ?

________________________________________________

(ग) ''शाहज़ादी समेत मुझे मेरे देश ले चलो।'' ये शब्द किसने, किससे कहे ?

________________________________________________

(घ) जिन्न ने अलादीन की क्या सहायता की ?

________________________________________________

(ङ) जादूगर ने अलादीन को गुफा में बंद क्यों कर दिया?

________________________________________________

(च) जिन्न अलादीन के सामने कैसे प्रकट हुआ ?

________________________________________________

## 3- vkidh ckr &

(क) किसी जादू के खेल का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में बताएँ–

(ख) इस कहानी को पढ़कर बताएँ कि अलादीन आपको कैसा लगा ?

(ग) यदि दीपक आपके पास होता तो आप क्या माँगते ?

## 4- ikB ls vkx &

(क) अगर अलादीन जादूगर और शाहज़ादी का पता नहीं लगा पाते तो क्या होता?

(ख) गुफा के बंद हो जाने के बाद अलादीन ने कैसा महसूस किया होगा ?

## 5- Hkk"kk dh ckr &

AG4BZQ

(क) पढ़ें और समझें –

वे शब्दांश जो किसी शब्द के पीछे जुड़कर उसका अर्थ बदल दे प्रत्यय कहलाते हैं।

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनमें से प्रत्यय छाँटकर अलग करें।

| | |
|---|---|
| गुणवान | गुण + वान (प्रत्यय) |
| धनवान | ——— + ——— |
| रूपवान | ——— + ——— |
| बलवान | ——— + ——— |

(ख) पाठ में से कोई तीन संज्ञा शब्द छाँटकर लिखें –

- ——————————
- ——————————
- ——————————

6. सही वाक्य पर (✓) व गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाएँ –

(क) वृद्ध व्यक्ति अलादीन का पिता था। ☐

(ख) अलादीन को गुफा का रास्ता वृद्ध व्यक्ति ने दिखाया। ☐

(ग) शाहज़ादी का विवाह अलादीन के साथ हुआ। ☐

(घ) अलादीन ने बूढ़े जादूगर व शाहज़ादी का पता लगा लिया था। ☐

ikB

# 15 माँ को पत्र

AGD82D

पूजनीय माताजी के चरणों में बहुतेरा,
करता है प्रणाम प्यारा यह बेटा तेरा।
बाबूजी हम लोग सभी हैं, कुशल यहाँ पर,
आशा है अच्छे होंगे, सब लोग वहाँ पर।
नानी के घर गई अभी माँ तुम परसों से,
पर ऐसा लगता न मिली होओ बरसों से।
बिना तुम्हारे यहाँ न कोई बात सुहाती,
क्या जाने क्यों तेरी सुधि है मुझको आती।
जब कपड़े उतार भोजन करने जाता हूँ,
और वहाँ पर नहीं तुझे बैठा पाता हूँ।
क्या जाने क्यों नहीं मुझे भोजन भाता है?
खाता तो हूँ पर न स्वाद उसमें आता है।
यह न समझना मुझे कष्ट देता है कोई,
या मेरी सुधि नहीं यहाँ लेता है कोई।
पर, माँ मैं तो नहीं भूल पाता हूँ तुझको,
क्या जाने क्यों तेरी सुधि आती है मुझको।
माँ तू तो कहती थी मैं परसों आऊँगी,
तेरे लिए न जाने मैं क्या–क्या लाऊँगी?

अच्छा माँ, मैं कहता हूँ तू कुछ मत लाना,
पर पहली गाड़ी से अब वापस आ जाना।
नानी रोके अगर, उसे यह पत्र दिखाना,
या अपने ही साथ उसे भी लेती आना।
तेरा स्वागत करने को मैं खड़ा रहूँगा,
बाट देखता यहीं द्वार पर अड़ा रहूँगा।
एक बार फिर याद दिलाता हूँ माँ तुझको,
आ जाना तू अगर प्यार करती है मुझको।

*—केशव प्रसाद पाठक*

# अभ्यास

## 1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkus &

- कष्ट – तकलीफ
- कुशल – ठीक–ठाक
- चरण – पैर
- पूजनीय या पूज्य – पूजा करने के योग्य
- द्वार – दरवाज़ा
- प्रणाम – नमस्कार
- सुधि – याद
- सुहाती – अच्छी लगती

## 2- dforkk ls &

(क) पत्र किसने, किसको लिखा है?

______________________________________________

(ख) बालक को अपनी माँ की याद क्यों आ रही है?

______________________________________________

(ग) बालक को खिलौनों से ज्यादा माँ की फिक्र है। इस बात का पता किन पंक्तियों से चलता है ?

______________________________________________

## 3- vkidh ckr &

(क) जब आपकी माँ आपको छोड़कर कहीं चली जाती है तब आपको कैसा लगता है ?

(ख) मेहमान के आने पर आप उनका स्वागत कैसे करते हैं ?

(ग) 'नानी रोके अगर, उसे यह पत्र दिखाना।' क्या नानी ने माँ को वापस आते समय रोका होगा ? माँ ने नानी को क्या कहा होगा ?

## 4- dfork l; vkx; &

(क) माँ बेटे को अपने साथ क्यों नहीं ले गई होंगी ? सोचकर बताएँ।

(ख) माँ अपने बेटे को छोड़कर अपनी माँ से मिलने चली गई। माँ को ऐसा क्या काम हुआ होगा जिसके कारण उसे जाना पड़ा ?

(ग) 'नानी रोके अगर, उसे यह पत्र दिखाना।' क्या नानी ने माँ को वापस आते समय रोका होगा ? माँ ने नानी को क्या कहा होगा ?

## 5- Hkk"kk dh ckr &

AT1CJK

(क) पढ़ें, समझें और लिखें –

- 'पूजनीय माता जी के चरणों में बहुतेरा।'
  पूजनीय – जो पूजा करने योग्य हो।

विचारणीय _____

आदरणीय _____

पठनीय _____

दर्शनीय _____

(ख) 'नानी रोके अगर, यह पत्र दिखाना।'
इस वाक्य में आए 'पत्र' शब्द में 'त्र' संयुक्त व्यंजन आया है। जो 'त्+र' से बना है। नीचे कुछ शब्दों में संयुक्त व्यंजनों का पता लगाएँ कि वे किन वर्णों से बने हैं –
ज्ञानी, विद्या, श्रवण, क्षमा

(ग) 'करता है प्रणाम प्यारा यह बेटा तेरा।'
इस वाक्य में 'तेरा' शब्द माँ के स्थान पर आया है, जो कि सर्वनाम है। कविता को ध्यान से पढ़ें व बताएँ कि कविता में कौन–कौन से सर्वनाम शब्द आए हैं ?

_____

_____

# vkiu fdruk lh[kk

1- bu 'kCnk d lgh vFk ckDl e fy[k&

- श्रमिक – मज़दूर/मेहमान ——————————
- ग्वाला – गाय चराने वाला/दूध पीने वाला ——————————
- शीघ्रता – जबरदस्ती/जल्दी से ——————————
- कुशल – चतुर/ठीक –ठाक ——————————

2- fjDr LFkku Hkj&

- —————————— को सूर्योदय का देश कहा जाता है (चीन/जापान)
- तोको के भाई का नाम —————————— हैं। (विशाल/शेनाली)
- —————————— संसार के प्रमुख नगरों में से एक है। (रूस/टोकियो)

3- fuEufyf[kr d leku vFk oky nk&nk 'kCn fy[k&

- माता —————————— ——————————
- फूल —————————— ——————————
- रात्रि —————————— ——————————
- गाय —————————— ——————————

4- fn, x, 'kCnk dh ,d&,d fo'k"krk fy[k&

- पर्वत ——————————
- दूध ——————————

5- lgh dFku d lkeu ¼✓½ o xyr d lkeu ¼×½ dk fu'kku yxk,&

- शाहजादी का विवाह अलादीन के साथ हुआ। ☐
- वृद्ध व्यक्ति अलादीन का पिता था। ☐

6- *n'kuh;* 'kCn dk i;kx djr g, nk okD; fy[k&

____________________________________________

____________________________________________

7- okD;k'kk d fy, ,d&,d 'kCn fy[k&

- जो प्रशंसा करने योग्य हो ____________________
- जो पढ़ने योग्य हो ____________________
- जो देखने योग्य हो ____________________

8- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fy[k&

- 'चेरी उत्सव' कब मनाया जाता है?

____________________________________________

- बालक ने किसको गीता पढ़ाने की बात की है?

____________________________________________

- जिन्न ने अलादीन की सहायता कैसे की?

____________________________________________

- बालक को माँ की याद क्यों आती है?

____________________________________________

ATA8L8

ATJ4MV